৩০
হিন্দী বাংলা
স্পিকিং কোর্স
हिन्दी बंगला
स्पिकिं कोर्स
Unite 2

প্রকাশক :
মোঃ মুক্তার হোসেন খাঁন
সানন্দা প্রকাশনী
মোবাইল ঃ ০১১৯১৫৬২৬৬৪
৩৬, বাংলাবাজার, ঢাকা

প্রথম প্রকাশ
জানুয়ারি ২০১৪ ইং

মূল্য ৫০.০০ টাকা মাত্র

বর্ণ বিন্যাস
রাফি কম্পিউটার
১১ বাংলাবাজার, ঢাকা-১১০০

মুদ্রণ : বাকো অফসেট প্রেস
১৮, হৃষিকেস দাস রোড, একরামপুর, সূত্রাপুর, ঢাকা-১১০০

বাঁধাই : লতিফ বুক বাইন্ডিং হাউস
৩৫নং পাতলা খান লেন, ঢাকা।

हिन्दी बंगला स्वरवर्ण
হিন্দী বাংলা স্বরবর্ণ

Munnaraj404 egmail Com 2

अ	आ	इ	ई
অ	আ	ই	ঈ
उ	ऊ	ऋ	ऌ
উ	ঊ	ঋ	ঌ
ए	ऐ	ओ	औ
এ	ঐ	ও	ঔ
	अं	अः	
	অং	অঃ	

মনে রাখবে—হিন্দী ভাষায় (ঌ) এবং (ৠ)-এর ব্যব

हिन्दी बंगला व्यंजनवर्ण

হিন্দী বাংলা ব্যঞ্জনবর্ণ

क ख ग घ ङ

ক খ গ ঘ ঙ

च छ ज झ ञ

চ ছ জ ঝ ঞ

ट ठ ड ढ ण

ট ঠ ড ঢ ণ

त थ द ध न

ত থ দ ধ ন

प फ ब भ म

প ফ ব ভ ম

य र ल व श

য র ল ব শ

ष स ह ड़ ढ़

ষ স হ ড় ঢ়

ं ँ ः क्ष ज्ञ

ং ঁ ঃ ক্ষ জ্ঞ

মনে রাখবে—হিন্দী ভাষায় 'য়'-এর ব্যবহার নাই।

अतिरिक्त वर्ण (অতিরিক্ত বর্ণ)

क्ष ज्ञ त्र ड़ ढ़
ক্ষ জ্ঞ ত্র ড় ঢ়

মনে রাখবে—উপরোক্ত বর্ণগুলিকে হিন্দীতে অতিরিক্ত বর্ণ বলা হয়।

स्वरवर्ण की परीक्षा (সওর্ ওয়ারড়ঁ কী পরীক্ষা)

उ ए आ ओ इ लृ ऊ
উ এ আ ও ই ৯ ঊ

ऋ ई औ अ ऐ अं अः
ঋ ঈ ঔ অ ঐ অং অঃ

व्यंजनवर्ण की परीक्षा (ওয়্যান্‌জন্ ওয়রড়ঁ কী পরীক্ষা)

ड ङ त क ध द ठ
ড ঙ ত ক ধ দ ঠ

ज व झ र भ फ घ
জ ব ঝ র ভ ফ ঘ

ष थ ड़ ढ़ ख ग प
ষ থ ড় ঢ় খ গ প

ड़ ढ़ ण ल ञ श छ
ড় ঢ় ণ ল ঞ শ ছ

ट म व ड स च प
ট ম ব ড স চ প

क्ष ँ ः
ক্ষ ং ঃ ঁ

स्वरवर्णो का मात्रा (স্বরবর্ণের মাত্রা)

आ = ा इ = ि ई = ी उ = ु ऊ = ू
আ = া ই = ি ঈ = ী উ = ু ঊ = ূ
ऋ = ृ ए = े ऐ = ै ओ = ो औ = ौ
ঋ = ৃ এ = ে ঐ = ৈ ও = ো ঔ = ৌ

হিন্দী-উচ্চারণ

হিন্দীতে अ, इ, उ, ऋ—এই স্বরবর্ণগুলির উচ্চারণ হ্রস্ব।

आ, ई, ऊ, ॡ, ए, ऐ, ओ, औ ইত্যাদির উচ্চারণ দীর্ঘ।

হিন্দীতে अ -এর উচ্চারণ অনেকটা বাংলা 'আ'-এর মতো। যথা—अब (আব্) हम (হাম্) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'ऐ'-এর উচ্চারণ বাংলা ঐ-কারের মতো নয়। হিন্দীতে এর উচ্চারণ 'অ্যায়'-এর মত। যথা—है (হ্যায়), मैं (ম্যায়), कैसा (ক্যায়সা), जैसा (জ্যায়সা) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'औ' -কারের উচ্চারণ বাংলা ঔ-কারের মতো নয়। হিন্দীতে এর উচ্চারণ অনেকটা 'অও্'-এর মতো। যথা— और (আওর্), कौन (কওন্), कौवा (কওয়া), पौधा (পওধা) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'ज' -এর উচ্চারণ বাংলা 'জ'-এর মতো। কিন্তু 'य'-এর উচ্চারণ 'ইয়'-এর মতো। যেমন—यह (ইয়হ্), यहाँ (ইয়হাঁ) ইত্যাদি।

হিন্দীতে পেট কাটা 'ब'-এর উচ্চারণ বাংলা 'ব' মতো, কিন্তু পেট কাটা 'ब' না হলে, অর্থাৎ অন্তস্থ 'व' হলে তার উচ্চারণ 'উও্' এর মতো। যেমন— 'वह' (উওহ্), 'वहाँ' (উওহাঁ)।

হিন্দীতে 'य' যদি শব্দের মধ্যে বা পদের শেষে থাকে, তবে তার উচ্চারণ হবে বাংলা 'য়' মতো বা য-ফলা (্য)-র মতো। যথা—नयन (নয়ন), समय (সময়) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'य' বা (्य)-ফলা কোনও অক্ষরের সঙ্গে যুক্ত হলে তার উচ্চারণ 'ইয়'-এর মতো হয়। যেমন—कन्या (কন্ইয়া), गद्य (গদ্ইয়), अभ्यास (অভ্ইয়াস) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'श' ও 'ष' এর উচ্চারণ বাংলা 'শ' ও 'ষ'-এর মতোই, কিন্তু 'ষ' যদি 'ক'-এর সঙ্গে যুক্ত হয়। তাহলে বাংলা উচ্চারণ 'ক্ষ' কিন্তু হিন্দীতে এর উচ্চারণ হবে 'ক্ষ'-এর মতো হয়। যেমন—परीक्षा (পরীক্ষা)। अपेक्षा (অপেক্ষা) ইত্যাদি।

ব্যঞ্জনবর্ণের সঙ্গে স্বরমাত্রার যোগ

बारहखड़ीयाँ

क	का	कि	की	कु	कू	कृ	के	कै	को	कौ	कं	कः
ক	কা	কি	কী	কু	কূ	কৃ	কে	কৈ	কো	কৌ	কং	কঃ
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खृ	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
খ	খা	খি	খী	খু	খূ	খৃ	খে	খৈ	খো	খৌ	খং	খঃ
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गृ	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
গ	গা	গি	গী	গু	গূ	গৃ	গে	গৈ	গো	গৌ	গং	গঃ
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घृ	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
ঘ	ঘা	ঘি	ঘী	ঘু	ঘূ	ঘৃ	ঘে	ঘৈ	ঘো	ঘৌ	ঘং	ঘঃ
च	चा	चि	ची	चु	चू	चृ	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
চ	চা	চি	চী	চু	চূ	চৃ	চে	চৈ	চো	চৌ	চং	চঃ
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छृ	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ছ	ছা	ছি	ছী	ছু	ছূ	ছৃ	ছে	ছৈ	ছো	ছৌ	ছং	ছঃ
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जृ	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
জ	জা	জি	জী	জু	জূ	জৃ	জে	জৈ	জো	জৌ	জং	জঃ

झ झा झि झी झु झू झृ झे झै झो झौ झं झः
ঝ ঝা ঝি ঝী ঝু ঝূ ঝৃ ঝে ঝৈ ঝো ঝৌ ঝং ঝঃ
ट टा टि टी टु टू टृ टे टै टो टौ टं टः
ট টা টি টী টু টূ টৃ টে টৈ টো টৌ টং টঃ
ठ ठा ठि ठी ठु ठू ठृ ठे ठै ठो ठौ ठं ठः
ঠ ঠা ঠি ঠী ঠু ঠূ ঠৃ ঠে ঠৈ ঠো ঠৌ ঠং ঠঃ
ड डा डि डी डु डू डृ डे डै डो डौ डं डः
ড ডা ডি ডী ডু ডূ ডৃ ডে ডৈ ডো ডৌ ডং ডঃ
ढ ढा ढि ढी ढु ढू ढृ ढे ढै ढो ढौ ढं ढः
ঢ ঢা ঢি ঢী ঢু ঢূ ঢৃ ঢে ঢৈ ঢো ঢৌ ঢং ঢঃ
ण णा णि णी णु णू णृ णे णै णो णौ णं णः
ণ ণা ণি ণী ণু ণূ ণৃ ণে ণৈ ণো ণৌ ণং ণঃ
त ता ति ती तु तू तृ ते तै तो तौ तं तः
ত তা তি তী তু তূ তৃ তে তৈ তো তৌ তং তঃ
थ था थि थी थु थू थृ थे थै थो थौ थं थः
থ থা থি থী থু থূ থৃ থে থৈ থো থৌ থং থঃ
द दा दि दी दु दू दृ दे दै दो दौ दं दः
দ দা দি দী দু দূ দৃ দে দৈ দো দৌ দং দঃ
ध धा धि धी धु धू धृ धे धै धो धौ धं धः
ধ ধা ধি ধী ধু ধূ ধৃ ধে ধৈ ধো ধৌ ধং ধঃ
न ना नि नी नु नू नृ ने नै नो नौ नं नः
ন না নি নী নু নূ নৃ নে নৈ নো নৌ নং নঃ
प पा पि पी पु पू पृ पे पै पो पौ पं पः
প পা পি পী পু পূ পৃ পে পৈ পো পৌ পং পঃ
फ फा फि फी फु फू फृ फे फै फो फौ फं फः
ফ ফা ফি ফী ফু ফূ ফৃ ফে ফৈ ফো ফৌ ফং ফঃ

व वा वि वी वु वू वृ वे वै वो वौ वं वः
ব বা বি বী বু বূ বৃ বে বৈ বো বৌ বং বঃ
म मा मि मी मु मू मृ मे मै मो मौ मं मः
ম মা মি মী মু মূ মৃ মে মৈ মো মৌ মং মঃ
य या यि यी यु यू यृ ये यै यो यौ यं यः
য যা যি যী যু যূ যৃ যে যৈ যো যৌ যং যঃ
र रा रि री रु रू रृ रे रै रो रौ रं रः
র রা রি রী রু রূ রৃ রে রৈ রো রৌ রং রঃ
ल ला लि ली लु लू लृ ले लै लो लौ लं लः
ল লা লি লী লু লূ লৃ লে লৈ লো লৌ লং লঃ
व वा वि वी वु वू वृ वे वै वो वौ वं वः
ব বা বি বী বু বূ বৃ বে বৈ বো বৌ বং বঃ
श शा शि शी शु शू शृ शे शै शो शौ शं शः
শ শা শি শী শু শূ শৃ শে শৈ শো শৌ শং
ष षा षि षी षु षू षृ षे षै षो षौ षं
ষ ষা ষি ষী ষু ষূ ষৃ ষে ষৈ ষো ষৌ ষং
स सा सि सी सु सू सृ से सै सो सौ सं
স সা সি সী সু সূ সৃ সে সৈ সো সৌ সং
ह हा हि ही हु हू हृ हे है हो हौ हं
হ হা হি হী হু হূ হৃ হে হৈ হো হৌ হং
क्ष क्षा क्षि क्षी क्षु क्षू क्षृ क्षे क्षै क्षो क्षौ क्षं
ক্ষ ক্ষা ক্ষি ক্ষী ক্ষু ক্ষূ ক্ষৃ ক্ষে ক্ষৈ ক্ষো ক্ষৌ
ज्ञ ज्ञा ज्ञि ज्ञी ज्ञु ज्ञू ज्ञृ ज्ञे ज्ञै ज्ञो ज्ञौ ज्ञं
জ্ঞ জ্ঞা জ্ঞি জ্ঞী জ্ঞু জ্ঞূ জ্ঞৃ জ্ঞে জ্ঞৈ জ্ঞো জ্ঞৌ

पाठ—१ (পাঠ—১)

दो अक्षरों का मेल (দুই অক্ষরের মিলন)

अब (অব্)—এখন। कब (কব্)—কখন तब (তব্)—তখন।
जब (জব্)—যখন कह (কহ্)—বল रख (রখ্)—রাখ।
मत (মত্)—না बन (বন্)—হও फल (ফল্)—ফল।
दस (দস্)—দশ चल (চল্)—চলা हल (হল্)—লাঙ্গল।
डर (ডর্)—ভয় छत (ছত্)—ছাদ पर (পর্)—উপরে।

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

फल चख। (ফল্ চখ্।) — ফল খাও। घर चल। (ঘর্ চল্) — ঘরে চল।
रस रख। (রস্ রখ্।) — রস রাখো। अब चल। (অব্ চল্) — এখন চলো।
डर मत कर। (ডর্ মত্ কর্।) — ভয় করিও না।
छत पर मत चढ़। (ছত্ পর্ মত্ চঢ়।) — ছাদের ওপর চড়িও না।

तीन अक्षरों का मेल (তিন অক্ষরের মিলন)

अलग (অলগ্)-পৃথক सबक (সবক্) - পাঠ सड़क (সড়ক) - পথ
डगर (ডগর্) - খাল कमल (কমল্) - পদ্ম मगर (মগর্) - কিন্তু
बहन (বহন্) - বোন शरम (শরম্) - লজ্জা रबड़ (রবড়্) - রবার
बढ़ई (বঢ়ঈ) - ছুতার खबर (খবর্) - সংবাদ मदद (মদদ্) - সাহায্য

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

नमक रख। (নমক্ রখ্।) — লবণ রাখ।
सड़क पर चल। (সড়ক্ পর্ চল্।) — পথের উপর চলো।
नगर चल। (নগর চল্) — শহরে চলো।
अब डगर पर चल। (অব্ ডগর্ পর্ চল্) — এখন খালে চল।
कमल पकड़। (কমল পকড়্) — পদ্মফুল ধরো।
शरम मत कर। (শরম মত্ কর) — লজ্জা করিও না।

चार अक्षरों का मेल (চার অক্ষরের মিলন)

खटमल (খট্মল্) — ছারপোকা। नटखट (নট্খট্) — দুষ্ট

बरगद (বরগদ্) — বটগাছ
बचपन (বচ্পন্) — বাল্যকাল
पलटन (পলটন্) — সৈন্য
बरतन (বর্তন্) — বাসন
लगभग (লগ্ভগ্) — প্রায়
कटहल (কটহল্) — কাঁঠাল
कसरत (কস্রত্) — ব্যায়াম
झटपट (ঝট্পট্) — তাড়াতাড়ি

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

झटपट चल। (ঝট্পট্ চল্।) — তাড়াতাড়ি চলো।
बरगद पर मत चढ़। (বরগদ্ পর্ মত চঢ়্।) — বটগাছে চড়িও না।
नटखट मत बन। (নট্খট্ মত্ বন্।) — দুষ্ট হইও না।
खटमल मत पकड़। (খট্মল্ মত্ পকড়্।) — ছারপোকা ধরিও না।
कटहल चख। (কট্হল্ চখ্।) — কাঁঠাল খাও।
पलटन बन। (পলটন্ বন্।) — সৈনিক হও।
शलगम रख। (শলগম্ রখ্।) — শালগম্ রাখো।
अब कसरत कर। (অব্ কসরত্ কর্।) — এখন ব্যায়াম করো।

मात्राओं का प्रयोग (মাত্রাওঁ কা প্রয়োগ)

आ-का मेल (আ-কার যোগ)

आ = ा क + आ = का (কা)

नया (নয়া) - নতুন
काम (কাম্) - কাজ
आम (আম্) - আম
दवा (দওয়া) - ঔষধ
तलाश (তলাশ্) - সন্ধান
आपका (আপ্কা) - আপনার
कपड़ा (কপ্ড়া) - কাপড়
जबड़ा (জবড়া) - চোয়াল
चमड़ा (চমড়া) - চামড়া
ताकतवर (তাকত্বর) - শক্তিমান
[illegible] ([illegible]টির্) - টম্যাটো
आग (আগ্) - আগুন
आप (আপ্) - আপনি
पका (পকা) - পাকা
चाचा (চাচা) - কাকা
याद (ইয়াদ্) - স্মরণ
बड़ा (বড়া) - বড়া
सड़ा (সড়া) - পচা
नाना (নানা) - দাদামশায়
बछड़ा (বছ্ড়া) - বাছুর
अनार (অনার) - ডালিম
कलाई (কলাঈ) - কব্জী
खरहा (খর্হা) - খরগোস
सामान (সামান) - জিনিসপত্র
नमकहाराम (নমক[illegible]) - অকৃতজ্ঞ।
नासपाती (নাসপাতী) - ন্যাসপাতী।

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

नया कपड़ा पहन। (নয়া কপ্ড়া পহন্।) — নতুন কাপড় পরো।
आप कहाँ था ? (আপ কহাঁ থা?) — আপনি কোথায় ছিলেন?
आग मत जाल। (আগ্ মত্ জাল।) — আগুন জ্বেলো না।
सामान ला। (সামান লা।) — জিনিসপত্র আন্।
दवा खा। (দওয়া খা।) — ঔষধ খাও।
चाचा आया। (চাচা আয়া।) — কাকা এসেছেন।
नाना आया था। (নানা আয়া থা।) — দাদামশাই এসেছিলেন।
लड़का चला गया। (লড়কা চলা গয়া।) — ছেলেটি চলে গেছে।
सवाल मत कर। (সওয়াল মত্ কর্।) — প্রশ্ন করিও না।
सवाल का जवाब दिया। (সওয়াল কা জওয়াব দিয়া।) — প্রশ্নের উত্তর দিয়েছে।

इ-का मेल (ই-কার যোগ)

इ = ि क + इ = कि (কি)

सिर (সির্) - মাথা
फिर (ফির্) - আবার
दिल (দিল) - হৃদয়
हाजिर (হাজির) - উপস্থিত
चिड़िया (চিড়িয়া) - পাখী।
किताव (কিতাব্) - বই
तकिया (তকিয়া) বালিশ
सितार (সিতার) - সেতার
सितारा (সিতারা) - নক্ষত্র
दिमाग (দিমাগ) - মস্তিষ্ক
किसान (কিসান) - কৃষক
किधर (কিধর) - কোনদিকে
नाविक (নাওয়িক) - মাঝি
गिरगिट (গির্গিট্) - গিরগিটি
सरिता (সরিতা) - নদী
मालकिन (মালকিন্) - প্রভুপত্নী
नाबालिग (নাওয়ালিগ) - নাবালিকা
तबियत (তবিয়ত্) - শরীর।
नारियल (নারিয়ল) - নারকেল

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

तालाब छिछला था। (তালাব্ ছিছ্লা থা।) — পুকুরটি গভীর ছিল।
दिल लगाकर पढ़। (দিল্ লগাকর্ পঢ়্।) — মন দিয়ে পড়ো।
लिफाफा ला। (লিফাফা লা।) — খাম আনো।
नारियल खा। (নারিয়ল খা।) — নারকেল খাও।

किसान जाता था। (কিসান্ জাতা থা।) — কৃষকটি যাচ্ছিল।
बछड़ा वहाँ था। (বছ্ড়া ওয়হাঁ থা।) — বাছুরটি ওখানে ছিল।
छतपर चिड़िया था। (ছত্পর্ চিড়িয়া থা।) — ছাদের ওপর পাখী ছিল।
आवाज मत कर। (আওয়াজ মত্ কর্।) — শব্দ করিও না।
मिता कमरा साफ कर। (মিতা কম্রা সাফ্ কর্।) — মিতা ঘর পরিষ্কার কর।

ई-का मेल (ঈ-কার যোগ)

दीप (দীপ) — বাতি
खीरा (খীরা) — শশা
माली (মালী) — মালী
पानी (পানী) — জল
तीस (তীস) — ত্রিশ
हाथी (হাথী) — হাতী
कभी (কভী) — কখনও
दही (দহী) — দৈ
सभी (সভী) — সমস্ত
जवानी (জওয়ানী) — যুবতী
विमारी (বিমারী) — অসুস্থ
बकरी (বক্রী) — ছাগী
गीदड़ (গীদড়) — শকুন
तितली (তিত্লী) — প্রজাপতি
पपीहा (পপীহা) — পাপিয়া
कड़ाही (কড়াহী) — কড়াই
पपीता (পপীতা) — পেঁপে
छिपकली (ছিপ্কলী) — টিকটিকি
जानकी (জানকী) — সীতা
मजहबी (মজহবী) — ধার্মিক
नजदीक (নজ্দীক্) — নিকটে
गाड़ीवान (গাড়ীওয়ান) — গাড়োয়ান
सुनहली (সুন্হলী) — সোনালী

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

खीरा ला। (খীরা লা।) — শশা আনো। पानी पी। (পানী পী।) — জল খা।
लड़की गाना गाती थी। (লড়কী গানা গাতী থী।) — মেয়েটি গান গাইছিল।
तितली उड़ती थी। (তিত্লী উড়্তী থী।) — প্রজাপতি উড়ছিল।
वीणा विमारी थी। (ওয়িণা বিমারী থী।) — বীণা অসুস্থ ছিল।
जीवन बाबु मजहबी आदमी था। (জীওয়ন্ বাবু মজহবী আদমী থা।) — জীবন বাবু ধার্মিক লোক ছিলেন।
पपीहा नजदीक उड़ती थी। (পপীহা নজ্দীক্ উড়্তী থী।) — পাপিয়া কাছেই উড়ছিল।
गाड़ीबान गाड़ी चलाता था। (গাড়ীওয়ান্ গাড়ী চলাতা থা।) — গাড়োয়ান গাড়ী চালাচ্ছিল।
रीना पपीता खरिदा था। (রীনা পপীতা খরিদা থা।) — রীনা পেঁপে কিনেছিল।

उ-का मेल (উ-কার যোগ)

उ = ु क + उ = कु

कुछ (কুছ্)—কিছু	खुद (খুদ্)—নিজে	गुफा (গুফা)—গুহা।
तुम (তুম্)—তুমি	बुरा (বুরা)—মন্দ	दुम् (দুম্)—লেজ
बगुला (বগুলা)—বক	गुलाब (গুলাব্)-গোলাপ	लुहार (লুহার)—কামার
तुम्हारा (তুম্হারা)—তোমার	सुनार (সুনার)—স্বর্ণকার (স্যাকরা)	
पुराना (পুরানা)—পুরাতন	कुहरा (কুহরা)—কুয়াশা	
सुअर (সুঅর্)—শূকর।	बाबूल (ওয়াবূল)—বাব্‌লা গাছ।	
खुरदरा (খুর্দরা)—ধারালো	थकाहुआ (থকাহুআ)—পরিশ্রান্ত।	

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

अब कुछ खा। (অব্ কুছ্ খা।)—এখন কিছু খাও।

बुरा काम मत कर। (বুরা কাম মত্ কর্।)—মন্দ কাজ করো না।

लुहार काम करता था। (লুহার কাম করতা থা।)—কামার কাজ করছিল।

सुनार सड़क पर जाता था। (সুনার সড়ক্ পর জাতা থা।)—স্যাকরা পথের ওপর দিয়ে যাচ্ছিল।

काल गुरुवार था। (কাল্ গুরুওয়ার থা।)—কাল বৃহস্পতিবার ছিল।

कमरा बहुत पुराना था। (কম্‌রা বহুত পুরানা থা।)—ঘর খুব পুরাতন ছিল।

गुलाम सामान लाया। (গুলাম সামান লায়া।)—চাকর জিনিসপত্র এনেছে।

सुनार गहना लाया। (সুনার গহনা লায়া।)—স্যাকরা গয়না এনেছে।

ऊ-का मेल (ঊ-কার যোগ)

ऊ = ू क + ऊ = कू

चूहा (চূহা)—ইঁদুর	मूसा (মূসা)—নেংটি ইঁদুর	जूता (জূতা)—জুতো
झूला (ঝূলা)—দোলনা	फूफा (ফূফা)—পিসে	सूस (সূস্)—শ্বশুর
मूली (মূলী)—মূলো	ऊन (ঊন)—উল্	रूई (রূঈ)—তুলো
सूरज (সূরজ)—সূর্য	पालतू (পালতূ)—পোষা	भूखा (ভূখা)—ক্ষুধার্ত
कपूर (কপূর)—কর্পূর	खजूर (খজূর)—খেজুর	जरूर (জরূর)—অবশ্য
दूसरा (দূসরা)—দ্বিতীয়	बातूनी (বাতূনী)—বাচাল	तू (তূ)—তুই

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

भालूवाला भालू नचाता। (ভালূওয়ালা ভালূ নাচাতা।)—ভালুকওয়ালা ভালুক নাচাচ্ছে।

चाकू मत पकड़। (চাকূ মত পকড়্।)—চাকু ধরো না।

सूरज निकला। (সূরজ নিকলা।)—সূর্য উঠেছে।

कमरा में चूहा था। (কমরা মেঁ চূহা থা।)—ঘরে ইঁদুর ছিল।

दूकान जरूर जा। (দূকান্ জরূর জা।)—অবশ্যই দোকানে যাও।

जूता पहन। (জূতা পহন্।)—জুতো পর।

किताब पढ़ना शुरु कर। (কিতাব্ পঢ়না শুরু কর।)—বই পড়তে আরম্ভ কর।

बातूनी मत बन। (বাতূনী মত্ বন্।)—বাচাল হয়ো না।

भूखा आदमी खड़ा था। (ভূখা আদমী খড়া থা।)—ক্ষুধার্ত লোকটি দাঁড়িয়েছিল।

मीरा कपूर लायी। (মীরা কপূর লায়ী।)—মীরা কর্পূর এনেছে।

लड़की झूला झूलती थी। (লড়কী ঝূলা ঝুলতী থী।)—মেয়েটি দোলায় দুলছিল।

ऋ-का मेल (ঋ-কার যোগ)

ऋ = ृ क + ऋ = कृ

कृश (কৃশ)—রোগা	तृण (তৃড়ঁ)—ঘাস	धृत (ধৃত)—ধরা।
कृपा (কৃপা)—দয়া	नृप (নৃপ)—রাজা	मृग (মৃগ)—হরিণ।
घृत (ঘৃত)—ঘি	गृह (গৃহ)—ঘর	कृत (কৃত)—করা
कृषक (কৃষক)—চাষী	कृपण (কৃপড়ঁ)—কৃপণ	वृषभ (বৃষভ্)—ষাঁড়
मृदंग (মৃদংগ)—মৃদঙ্গ	पृथक (পৃথক্)—আলাদা	सदृश (সদৃশ)—সমান

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

कृषक हल चलाता था। (কৃষক হল্ চলাতা থা।)—কৃষক লাঙ্গল করছিল

हृदय सामान लाया। (হৃদয় সামান লায়া।)—হৃদয় জিনিসপত্র এনেছে।

गरीब पर कृपा कर। (গরীব পর্ কৃপা কর্।)—গরীবের প্রতি দয়া কর।

ऋण मत कर। (ঋড়ঁ মত্ কর্।)—ঋণ করো না।

कृपाण पकड़। (কৃপাড়ঁ পকড়্।)—তলোয়ার ধরো।

गृह बड़ा था। (গৃহ বড়া থা।)—ঘরটি বড় ছিল।

मृग आया था । (মৃগ আয়া থা।)—হরিণ এসেছিল।
कृपानाथ आया था । (কৃপানাথ আয়া থা।)—কৃপানাথ এসেছিল।

ए-का मेल (এ-কার যোগ)

ए = े क + ए = के

खेत (খেত্)—জমি	खेला (খেলা)—খেলা	चेला (চেলা)—শিষ্য
मेला (মেলা)—মেলা	केला (কেলা)—কলা	सेब (সেব্)—আপেল
पेड़ (পেড়)—গাছ	मेरा (মেরা)—আমার	शेर (শের)—বাঘ
बेटी (বেটী)—মেয়ে	छेना (ছেনা)—ছানা	मेज (মেজ)—টেবিল
उसके (উস্কে)—তার	सवेरा (সবেরা)—সকাল	सहेली (সহেলী)—সখী
हमेशा (হমেশা)—প্রায়ই	सफेद (সফেদ)—সাদা	मेढक (মেঢক)—ব্যাঙ
नेवला (নেওলা)—নেউল	भेड़िया (ভেড়িয়া)—খ্যাঁকশিয়াল	
बेवकूफ (বেওকুফ)—বোকা	मेहतर (মেহতর্)—মেথর।	
मेहरबानी (মেহেরবানী)—কৃপা	बेईमान (বেঈমান)—বিশ্বাসঘাতক	

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

पेड़ पर अजगर था । (পেড় পর্ অজ্গর্ থা।)—গাছের উপর অজগর ছিল।
बाजार से केला लाया । (বাজার সে কেলা লায়া।)—বাজার থেকে কলা এনেছে।
मेज पर किताब रख । (মেজ পর কিতাব্ রখ্।)—টেবিলের ওপর বই রাখ।
सवेरा हुआ । (সবেরা হুআ।)—সকাল হয়েছে।
हमारा चेला आम लाया । (হমারা চেলা আম লায়া।)—আমার শিষ্য আম এনেছে।
डेरा पर चल । (ডেরা পর্ চল্।)—বাসায় চলো।
रेल पर सफर कर । (রেল পর্ সফর কর্।)—রেলে ভ্রমণ কর।
वह हमेशा आता है । (ওয়হ্ হমেশা আতা হ্যায়।)—সে প্রায়ই আসে।

ऐ-का मेल (ঐ-কার যোগ)

ऐ = ै क + ऐ = कै

कैसा (ক্যায়সা)—কেমন	कैद (ক্যায়দ)—জেলখানা	कैंची (ক্যায়চী)—কাঁচি
खैरी (খ্যায়রী)—খয়েরী	गैती (গ্যায়তী)—গাঁতি	पैर (প্যায়র)—পা
जैसा (জ্যায়সা)—যেমন	वैसा (ওয়্যায়সা)—ঐ রকম	

सैर (স্যায়র)—ভ্রমণ	बैल (ব্যায়ল্)—বলদ
मैं (ম্যাঁয়)—আমি	मैना (ম্যায়না)—ময়না
बैगन (ব্যায়গন্)—বেগুন	तैरना (ত্যায়র্না)—সাঁতার দেওয়া
जैतून (জ্যায়তূন)—জলপাই	गवैया (গওয়্ইয়া)—গায়ক
पैजनी (প্যায়জনী)—নূপুর	बेचैन (বেচ্যায়ন্)—অজ্ঞান।

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

पैदल चल । (প্যায়দল্ চল্।)—হেঁটে চলো।
मैदान में सैर कर । (ম্যায়দান মেঁ স্যায়র কর।)—মাঠে বেড়াও।
बैल घास खाता है । (ব্যায়ল্ ঘাস খাতা হ্যায়।)—বলদটি ঘাস খাচ্ছে।
शैलेन तैरता है । (শ্যায়লেন ত্যায়রতা হ্যায়।)—শৈলেন সাঁতার দিচ্ছে।
कैची से काटा है । (ক্যায়চী সে কাটা হ্যায়।)—কাঁচি দিয়ে কেটেছে।
पेड़ पर मैना बैठी थी । (পেড় পর্ ম্যায়না ব্যায়ঠী থী।)—গাছে ময়না বসেছিল।
बैगन ला । (ব্যয়্গন্ লা।)—বেগুন আনো।
दैनिक अखबार पढ़ो । (দ্যায়নিক অখ্বার পঢ়ো।)—দৈনিক সংবাদপত্র পড়।

ओ-का मेल (ও-কার যোগ)

ओ = ो क + ओ = को ।

ओर (ওর্)—দিক	लोग (লোগ্)—লোক	रोज (রোজ)—প্রত্যহ
मोर (মোর)—ময়ূর	गोह (গোহ্)—গোসাপ	रोटी (রোটী)—রুটি
होंठ (হোঁঠ)—ঠোঁট	कोठी (কোঠী)—বাড়ি	थोड़ा (থোড়া)—অল্প
धोबी (ধোবী)—ধোপা	घोड़ा (ঘোড়া)—ঘোড়া	छोटा (ছোটা)—ছোট

ऊनको (উনকো)—তাহাকে	इसको (ইসকো)—ইহাকে
हमको (হমকো)—আমাকে	भोतरा (ভোত্রা)—ভোঁতা
टोकरी (টোকরী)—ঝুড়ি	कोहार (কোহার)—কুমার
पतोहू (পতোহূ)—পুত্রবধূ	खोपड़ी (খোপড়ী)—মাথার খুলি
रसोइया (রসোইয়া)—রাঁধুনি	डरपोक (ডরপোক্)—ভীতু

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

धोबी कपड़ा काचता था । (ধোবী কপড়া কাচতা থা।)—ধোপা কাপড় কাচিতেছিল।

वह रोटी खाता है । (ওয়হ্ রোটী খাতা হ্যায়।)—সে রুটি খাচ্ছে।

मोर नाच रहा है । (মোর নাচ রহা হ্যায়।)—ময়ূর নাচ্ছে।

वहाँ एक लोमड़ी थी । (ওয়হাঁ এক লোমড়ী থী।)—ওখানে একটি খেঁকশিয়াল ছিল।

मोहन का छोटा भाई आया । (মোহন কা ছোটা ভাঈ আয়া।)—মোহনের ছোট ভাই এসেছে।

चिड़िया बोल रही है । (চিড়িয়া বোল রহী হ্যায়।)—পাখী ডাকছে।

एक टोकरी लाओ । (এক্ টোক্রী লাও।)—একটি ঝুড়ি আনো।

वह कैंची भोथरा था । (ওয়হ্ ক্যায়চী ভোথরা থা।)—ঐ কাঁচিটি ভোঁতা ছিল।

औ-का मेल (ঔ-কার যোগ)

औ = ौ क + औ = कौ ।

कौन (কওন্)—কে । कौआ (কওয়া)—কাক । और (অওর্)—এবং

मौसा (মওসা)—মেসো। पौधा (পওধা)—চারাগাছ जौ (জও)—যব

नौ (নও)—নয়। तौल (তওল্)—ওজন मौत (মওত্)—মৃত্যু

सौत (সওত্)—সতীন नौका (নওকা)—নৌকা चौक (চঁওক্)—চমকানো

नौकर (নওক্র)—চাকর औरत (অওরত্)-স্ত্রীলোক मौसम (মওসন্)—ঋতু

खिलौना (খিলওনা)—খেলনা दौलत (দওলত্)—ধন-সম্পদ

बिछौना (বিছওনা)—বিছানা सरौता (সরওতা)—জাঁতি

तौलिया (তওলিয়া)—তোয়ালে फौलाद (ফওলাদ)—ইস্পাত।

हथौड़ी (হথওড়ী)—হাতুড়ি चौदह (চওদহ)—চৌদ্দ

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

छत पर कौआ बैठा था । (ছত্ পর্ কওয়া ব্যায়ঠা থা।)—ছাদে কাক বসেছিল।

नौका पर सैर कर । (নওকা পর্ স্যায়র্ কর্।)—নৌকায় ভ্রমণ কর।

नौकर बजार गया । (নওকর বজার গয়া।)—চাকর বাজারে গেছে।

मौसी खिलौना लायी । (মওসী খিলওনা লায়ী।)—মাসী খেলনা এনেছে।

यह बरसात का मौसम है । (ইয়হ্ বরসাত কা মওসম্ হ্যায়।)—এটি বর্ষা ঋতু।

राम चौदह तारिख को आएगा । (রাম চওদহ্ তারিখ কো আএগা।)—রাম চৌদ্দ তারিখে আসবে।

कौन दौलतपुर गया? (কওন্ দওলতপুর গয়া?)—কে দৌলতপুর গেছে?

लुहार हथौड़ी से काम करता था । (লুহার হথওড়ী সে কাম্ করতা থা।)—কামার হাতুড়ি দিয়ে কাজ করছিল।

-का मेल (ং [অনুস্বার] - যোগ)

— क + = कं

कंधा (কন্ধা)—চিরুনী । नंगा (নংগা)—উলঙ্গ

भांजा (ভানজা)—ভাগনে । पंजा (পনজা)—পাঞ্জা

चींटी (চীংটী)—পিঁপড়ে । चोंच (চোঁচ্)—পাখীর ঠোঁট

शंख (শনখ)—শাঁখ । मांस (মান্স)—মাংস । गुंगा (গুন্গা)—বোবা

पंखा (পন্খা)—পাখা । गेंडा (গেন্ডা)—আখ । डंक (ডনক্)—দংশন

लंगूर (লন্গূর)—বাঁদর । पंडूक (পনডূক)—পানকৌড়ি

झींगुर (ঝীন্গুর)—ঝিঁঝিঁপোকা । लंगड़ा (লংগড়া)—খোঁড়া

अंगूर (অন্গুর)—আঙ্গুর । अंधेरा (অনধেরা)—অন্ধকার

पंखुड़ी (পন্খুড়ী)—পাপড়ি । डंठल (ডনঠল)—বৃন্ত

तुरंत (তুরনত)—তাড়াতাড়ি । महंगा (মহন্গা)—দামী

शकरकंद (শকরকন্দ)—রাঙাআলু । सतरंज (সতরন্জ)—দাবাখেলা

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

लाल रंग का फूल लाओ । (লাল রংগ কা ফূল লাও।)—লাল রঙের ফুল আনো।

गेंदा पीला रंग का होता है । (গেন্দা পীলা রংগ কা হোতা হ্যায়।)—গাঁদা হলদে রঙের হয়।

जंगल में गैंडा था । (জন্গল্ মেঁ গ্যায়নডা থা।)—জঙ্গলে গণ্ডার ছিল।

लंगड़ा आदमी खड़ा था । (লংগড়া আদমী খড়া থা।)—খোঁড়া লোকটি দাঁড়িয়েছিল।

दंगा मत कर । (দন্গা মত্ কর্।)—দাঙ্গা কোর না।

कल मंगलवार था । (কল্ মন্গলওয়ার থা।)—কাল মঙ্গলবার ছিল।

गुलाब का पंखुड़ी लाल था । (গুলাব কা পন্খুড়ী লাল থা।)—গোলাপের পাপড়ি লাল ছিল।

अंधेरा हुआ। (অন্ধেরা হুআ।)—অন্ধকার হয়েছে।

तुरंत सामान रख। (তুরন্ত সামান রখ্।)—তাড়াতাড়ি জিনিসপত্র রাখো।

हंस सफेद होता है। (হন্‌স সফেদ হোতা হ্যায়।)— হাঁস সাদা হয়।

ँ-का मेल (ँ[চন্দ্রবিন্দু] - যোগ)

—क + ँ = कँ

आँख (আঁখ)—চক্ষু
कहाँ (কহাঁ)—কোথায়
आँधी (আঁধী)—ঝড়
वहाँ (ওয়হাঁ)—সেখানে
मुँह (মুঁহ)—মুখ
भौंह (ভঁওয়হ)—ভ্রূ
गेहूँ (গেহুঁ)—গম।
जाँघ (জাঁঘ)—জানু
साँड़ (সাঁড়)—ষাঁড়
गाँव (গাঁও)—গ্রাম
ऊँट (ঊঁট)—উট
सौंफ (সঁওফ্)—মৌরী
कुआँ (কুআঁ)—কুয়া
साँझ (সাঁঝ)—সন্ধ্যা
ताँबा (তাঁওয়া)—তামা
कुँआरी (কুঁআরী)—কুমারী
गँवार (গঁওয়ার)—গোঁয়ার
हँसुआ (হঁসুআ)—কাটারি
भूँकना (ভূঁক্‌না)—কুকুরের ডাক
आठवाँ (আঠওয়াঁ)—অষ্টম
कोंपल (কোঁপল)—মুকুল
गेहुँअन् (গেহুঁঅন)—গোখ্‌রো সাপ
ऐंचाताना (এ্যাঁয়চাতানা)—টেরা

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

आप कहाँ से आया? (আপ্ কহাঁ সে আয়া?)—আপনি কোথা থেকে এলেন?

वहाँ एक लड़की बैठी थी। (ওয়হাঁ এক লড়কী ব্যায়ঠী থী।)—সেখানে একটি মেয়ে বসেছিল।

ताँबा एक धातु है। (তাঁবা এক ধাতু হ্যায়।)—তামা একটি ধাতু।

चाँद निकला है। (চাঁদ নিক্‌লা হ্যায়।)—চাঁদ উঠেছে।

झाड़ी में गेहुँअन साँप है। (ঝাড়ী মেঁ গেহুঁঅন সাঁপ হ্যায়।)—ঝোপে গোখরো সাপ আছে।

आठवाँ पाठ पढ़ो। (আঠওয়াঁ পাঠ পঢ়ো।)—অষ্টম পাঠ পড়।

रामू एक गँवार आदमी है। (রামূ এক্ গঁওয়ার আদমী হ্যায়।)—রামু একটি গোঁয়ার লোক।

दूकान से सौंफ लाओ। (দূকান্ সে সঁওফ্ লাও।)—দোকান থেকে মৌরী আনো।

आम का कोंपल आया। (আম কা কোঁপল্ আয়া।) -আমের মুকুল এসেছে।

:-का मेल (ঃ[বিসর্গ] - যোগ)

: —क + : = कः

छः (ছহ্)—ছয়
अतः (অতহ্)—অতএব
पुनः (পুনহ্)—আবার
तपः (তপহ্)—তপস্যা
नमः (নমহ)—প্রণাম
अधः (অধহ্)—নিম্নদিক
दुःखी (দুহ্‌খী)- দুঃখী
दुःसह (দুহ্‌সহ)—দুঃসহ
दःशासन (দুহ্‌শাসন)—দুঃশাসন
निःसहाय (নিহ্‌সহায়)—সহায়হীন

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

दरवाजे पर दुःखी आदमी खड़ा है। (দর্‌ওয়াজে পর্ দুহ্‌খী আদমী খড়া হ্যায়।)—দরজায় দুঃখী লোকটি দাঁড়িয়ে আছে।

एक बात पुनः पुनः मत बोलो। (এক বাত্ পুনহ্ পুনহ্ মত্ বোলো।)—এক বার বার বোলো না।

दुःख में धीरज रखो। (দুহ্‌খ্ মেঁ ধীরজ রখো।)—দুঃখে ধৈর্য ধরো।

कल छः तारीख है। (কল ছহ্ তারিখ হ্যায়।)—কাল ছয় তারিখ।

दुःशासन कौरव थे। (দুহ্‌শাসন কওরওর থে।)—দুঃশাসন কৌরব ছিলেন।

योगी तपः करता था। (ইয়োগী তপহ্ কর্‌তা থা।)—যোগী তপস্যা করছিলেন।

अतः तुम कल आना। (অতহ্ তুম্ কল্ আনা।)—অতএব তুমি কাল আসবে।

पाठ—२ (পাঠ—২)

छोटे छोटे वाक्य (ছোট ছোট বাক্য)

मैं अभी आ रहा हूं। (ম্যাঁয় অভী আ রহা হুঁ।)—আমি এখনই আসছি।

जैसी आपकी मर्जी। (জ্যায়সী আপকী মর্জী।)—যেমন আপনার ইচ্ছা।

और कुछ? (অওর্ কুছ্?)—আর কিছু?

नहीं, कभी नहीं। (নহীঁ, কভী নহীঁ।)—না, কখনও নয়।

इसे आपनी चीज ही समझें। (ইসে আপ্‌নী চীজ্ হী সমঝেঁ।)—একে নিজের জিনিস বলেই মনে করবেন।

साफ कीजिए, मुझे देर हो गई। (সাফ কীজিএ, মুঝে দের হো গঈ।)—মাফ করুন, আমার দেরী হয়ে গেছে।

अपने काम में मेरी मदद ले लिजिए। (আপনে কাম মেঁ মেরী মদদ্ লে লিজিএ।)—আপনার কাজে আমার সাহায্য নিন।

आप थोड़ा खिसकेंगे ? (আপ্ থোড়া খিস্‌কেঙ্গে?)—আপনি একটু সরবেন?

बड़े दु:ख का समाचार। (বড়ে দুহ্‌খ কা সমাচার।)—খুবই দুঃখের সংবাদ।

फटाफट करिए। (ফটাফট্ করিএ।)—তাড়াতাড়ি করুন।

कितने अपमान की बात है ! (কিত্‌নে আপ্‌মান্ কী বাত হ্যায়।)—কি অপমানের কথা।

उसकी इतनी हिम्मत ? (উসকী ইত্‌নী হিম্মত?)—তার এতো সাহস?

भगवान को लाख शुक्र है। (ভগওয়ান্ কো লাখ শুক্র হ্যায়।)—ভগবানকে লক্ষবার ধন্যবাদ।

इधर आओ। (ইধর আও।)—এদিকে এসো।

उधर देखो। (উধর দেখো।)—ওদিকে দেখ।

पास आओ। (পাস্ আও।)—কাছে এসো।

उपर जाओ। (উপর জাও।)—ওপরে যাও।

धीरे चलो। (ধীরে চলো।)—ধীরে হাঁটো।

तुरंत आओ। (তুরন্ত আও।)—তাড়াতাড়ি এসো।

तैयार हो जाओ। (ত্যায়য়ার হো জাও।)— প্রস্তুত হয়ে পড়ো।

मत भूलो। (মত ভূলো।)—ভুলো না।

मुझे मत सताओ। (মুঝে মত্ সতাও।)—আমাকে কষ্ট দিও না।

फिर कोशिश करो। (ফির কোশিশ্ করো।)—আবার চেষ্টা কর।

वह कभी कभी यहाँ आता है। (ওয়হ্ কভী কভী ইয়হাঁ আতা হ্যায়।)—সে কখনও কখনও এখানে আসে।

यही किताब मुझे चाहिए। (ইয়হী কিতাব্ মুঝে চাহিএ।)—এই বই আমার চাই।

रमला उसी किताब को पढ़ रही है ? (রমলা উসী কিতাব্ কো পঢ় রহী হ্যায়?)—রমলা ঐ বইটিই পড়ে?

नहीं, वह दूसरी किताब है। (নহীঁ, ওয়হ দুস্‌রী কিতাব্ হ্যায়।)—না, ওটা অন্য বই।

राम कल आएगा। (রাম কল্ আএগা।)—রাম কাল আসবে।

तुम कहाँ जाओगे ? (তুম কহাঁ জাওগে?)—তুমি কোথায় যাবে?

आज मैं हूगली जाऊंगा। (আজ ম্যাঁয় হুগলী জাউঙ্গা।)—আজ আমি হুগলী যাবো।

तुम भी हमारा साथ जाओगे ? (তুম্ ভী হমারা সাথ জাওগে?)—তুমিও আমার সঙ্গে যাবে?

पतोहू कब आयी ? (পতোহূ কব্ আয়ী?) —পুত্রবধূ কবে এসেছে?

अब अंधेरा हो गयी। (অব্ অন্‌ধেরা হো গয়ী।)—এখন অন্ধকার হয়ে গেছে।

स्वपन सुबह उठता है। (সওপন্ সুবহ্ উঠতা হ্যায়।)—স্বপন সকালে ওঠে।

नरेश पिताजी का बात मानता है। (নরেশ পিতাজী কা বাত মান্‌তা হ্যায়।)—নরেশ বাবার কথা শোনে।

शीला माताजी की बात मानती है। (শীলা মাতাজী কী বাত মান্‌তী হ্যায়।)—শীলা মায়ের কথা শোনে।

पाठ —३ (পাঠ—৩)

युक्ताक्षर (যুক্তাক্ষর)

হিন্দী বর্ণমালার ব্যঞ্জনবর্ণগুলিকে তিনটি শ্রেণীতে ভাগ করা হয়েছে। (১) শেষে দাঁড়ি যুক্ত বর্ণ, (২) মাঝে দাঁড়িযুক্ত বর্ণ এবং (৩) দাঁড়ি বিহীন। এদের মধ্যে শেষে দাঁড়িযুক্ত বর্ণ হলো—ख, ग, न ইত্যাদি।

মাঝে দাঁড়িযুক্ত বর্ণগুলি হলো—क, ङ्म এবং फ।

দাঁড়িবিহীন বর্ণগুলি হলো—छ, ट, व।

হিন্দী বর্ণমালায় শেষে দাঁড়িযুক্ত বর্ণ হলো মোট একুশটি। যেমন—ख, ग, घ, च, ज, ञ, ध, ण, ल, थ, न, प, ब, भ, म, य, ल, व, श, ष এবং स।

উপরোক্ত শেষে দাঁড়িযুক্ত বর্ণগুলির সঙ্গে অপর কোনও বর্ণ যুক্ত করতে হলে, শেষের দাঁড়ি তুলে দিয়ে অন্য বর্ণ যুক্ত করতে হয়। যেমন—ख + त = ख्त, ग + म = ग्म, च + च = च्च, ञ + छ = ञ्छ, ण + ड = ण्ड ইত্যাদি।

আবার যে সব ব্যঞ্জনবর্ণের মাঝে দাঁড়ি আছে, তাদের সংখ্যা মাত্র তিনটি; সে কথা আগেই বলা হয়েছে। এর মধ্যে 'ङ्म' -এর কোনও যুক্তাক্ষর হয় না। কেবলমাত্র क

এবং ফ'-এর যুক্তাক্ষর হয়। আবার 'ফ'-এর মাত্র একটি, তাও আবার নিজের সঙ্গে যুক্ত হয়। এই দুটি ব্যঞ্জনবর্ণের শেষাংশ বাদ দিয়ে যুক্তাক্ষর করতে হয়। যেমন—
क+क = क्क, = पक्का (পক্কা)—পাকা।

क + य = क्य — क्या (ক্যায়া)—কি
क्यारी (কেয়ারী)—আল, সাজানো।
क + ल = क्ल—क्लेश (ক্লেশ)—কষ্ট क्लास (ক্লাস)—শ্রেণী।
क + श = क्श—नक्शा (নক্শা)—মানচিত্র।
क + स = क्स—नुक्स (নুক্স)—ত্রুটি।
फ + त = फ्त—दफ्तर (দফ্তর)—অফিস।

দাঁড়ি বিহীন ব্যঞ্জনবর্ণ হলো, মোট—নয়টি! যেমন—ङ, छ, ट, ठ, ड, ढ, द, ह এবং र।

এর মধ্যে 'र' ব্যঞ্জনবর্ণটি অন্যভবে যুক্ত হয়ে থাকে। যেমন—'र' (র) যদি প্রথম বর্ণ হয়, তাহলে ( ) রেফ্ আকারে পরিবর্তিত হয়ে পরবর্তী বর্ণের মাথায় বসে। যেমন—

र + क = र्क—तर्क (তর্ক)—তর্ক   फर्क (ফর্ক)—তফাৎ
र + प = र्प—सर्प (সর্প)—সাপ।   अर्पण (অর্পণ)—দান করা।
र + म = र्म—शर्म (শর্ম)—লজ্জা।   पर्व (পরওয়)—পর্ব।
र + व = र्व—सर्व (সরওয়)—সব   गर्व (গর্ওয়)—গর্ব।

আবার 'र' (র) দ্বিতীয় বর্ণ হলে শেষ ব্যঞ্জনবর্ণের নীচে (^) র-ফলা হয়ে যুক্ত হয়। এই র-ফলা দাঁড়িযুক্ত বর্ণের সঙ্গে নিম্নরূপে যুক্ত হয়। যেমন—
क +र = क्र —चक्र (চক্র)—চাকা   म + र = म्र—उम्र (উম্র)—বয়স
ब + र = ब्र—ब्रत (ব্রত)—ব্রত   प + र = प्र—प्राण (প্রাঁড়্)—প্রাণ

আবার এই র-ফলা দাঁড়িহীন ব্যঞ্জনবর্ণের সঙ্গে তীরের ফলার মতো নিচে যুক্ত হয়। যেমন—
द + र = द्र—भद्र (ভদ্র)—ভদ্র ट + र = ट्र—ट्राम (ট্রাম)—ট্রামগাড়ী

আবার 'র' (र) আটটি দাঁড়িবিহীন ব্যঞ্জনবর্ণ অন্যান্য বর্ণের সঙ্গে নিম্নরূপে যুক্ত হয়। যেমন—

ङ + क = ङ्क = अङ्क (অঙ্ক)   ङ + ख = ङ्ख—शङ्ख (শঙ্খ)
ङ + ग = ङ्ग—गङ्गा (গঙ্গা) च + छ = च्छ—अच्छा (অচ্ছা)—ভালো
ट + ट = ट्ट—पट्टी (পট্টী)—পটি   खट्टा (খট্টা)—টক
ट + ठ = ट्ठ—चिट्ठी (চিট্ঠী)—চিঠি   ड + ड = ड्ड—गुड्डी (গুড্ডী)—ঘুড়ি
ड + ढ = ड्ढ—बुड्ढा (বুড্ঢা)—বুড়া   ट+य=टय—नाटय (নাট্ইয়)—নাটক
ठ + य = ठय—पाठय (পাঠ্য)—পাঠ द + द = द्द—गद्दी (গদ্দী)—গদী
द + व = द्व—द्वार (দ্বার)—দরজা   द + ध = द्ध—युद्ध (ইয়ুদ্ধ)—যুদ্ধ
ल + य = ल्य—माल्य (মাল্ইয়)-মালা द + भ = द्भ—उद्भव (উদ্ভব)—উদ্ভব
ह + म = ह्म—ब्राह्मण (ব্রাহ্মণ)-ব্রাহ্মণ ह+व=ह्व—जिह्वा (জিহ্বা)—জিহ্বা
ह + र = ह्र—ह्रास (হ্রাস)   ह + य = ह्य—लेह्य (লেহ্ইয়)—লেয়

আবার কতকগুলি যুক্তাক্ষর নিম্নরূপে লেখা হয়। যেমন—
क + ष = क्ष—पक्ष (পক্ষ)—পক্ষ   कक्षा (কক্ষা)—শ্রেণী
ज + ञ = ज्ञ—ज्ञान (গেয়ান)—জ্ঞান विज्ञान (ওয়িগয়ান্)—বিজ্ঞান
त + र = त्र—पात्र (পাত্র)—পাত্র   छात्र (ছাত্র)—ছাত্র
श + र = श्र—श्रमिक (শ্রমিক)—শ্রমিক श्रीमान (শ্রীমান্)—শ্রীমান

যদি তিনটি ব্যঞ্জনবর্ণ একসঙ্গে যুক্ত হয়। তাদের যুক্তরূপ হয় নিম্ন প্রকার। যেমন—
घ + ङ + य = ङ्घ्य—उल्लङ्घ्य (উল্লঙ্ঘ্য)।
ज + ज + व = ज्ज्व उज्ज्वल (উজ্জ্বল)
न + ध + य = न्ध्य—सन्ध्या (সন্ধ্ইয়া)—সন্ধ্যা
न + त + र = न्त्र—यन्त्र (ইয়ন্ত্র)—যন্ত্র सम्भ्रम (সম্ভ্রম)—সম্ভ্রম
ष + ट + र = ष्ट्र—राष्ट्र (রাষ্ট্র)—রাষ্ট্র
स + त + र = स्त्र—अस्त्र (অস্ত্র)

पाठ—४ (পাঠ—৪)

व्यवहारिक शब्दावली (ব্যবহার্য শব্দসমূহ)

आत्मीय (আত্মীয়)

पिता (পিতা)—বাবা   माँ (মাঁ)—মা
भाई (ভাঈ)—ভাই   बहन (বহন্)—বোন

छोटा भाई (ছোটা ভাই)—ছোট ভাই
छोटी बहन (ছোটী বহন্)—ছোট বোন
बेटा (বেটা)—ছেলে
चाचा (চাচা)—কাকা
दादा (দাদা)—ঠাকুরদা
ताऊ (তাউ)—জেঠা
बड़ा भाई (বড়া ভাই)—বড় দাদা
बड़ी बहन (বড়ী বহন)—বড় বোন
नाना (নানা)—দাদামশায়
मौसा (মওসা)—মেসো
फूफा (ফূফা)—পিসে
भानजा (ভানজা)—ভাগনা
ससुर (সসুর)—শ্বশুর
साला (সালা)—শালক

बेटी (বেটী)—মেয়ে
चाची (চাচী)—কাকী
दादी (দাদী)—ঠাকুরমা।
ताई (তাঈ)—জেঠাইমা
भाभी (ভাভী)—বৌদি
जीजाजी (জীজাজী)—বড় ভগ্নীপতি
नानी (নানী)—দিদিমা
मौसी (মওসী)—মাসী
फूफी (ফূফী)—পিসি
भानजी (ভানজী)—ভাগ্নী
सास (সাস)—শাশুড়ী
दामाद (দামাদ)—জামাই

पोता (পোতা)—নাতী, পৌত্র, দৌহিত্র
पोती (পোতী)—নাতনী, পৌত্রী, দৌহিত্রী
पतोहू (পতোহূ)—পুত্রবধূ
रिस्तेदार (রিশ্তেদার)—আত্মীয়-স্বজন

शरीर के अंग (শরীর কে অংগ)
দেহের অঙ্গ-প্রত্যঙ্গ

बदन (বদন্)—শরীর
गरदन (গরদন)—গলা
दिमाग (দিমাগ)—মস্তিষ্ক
भौंह (ভওঁহ্)—ভ্রূ
नाक (নাক)—নাক
गाल (গাল)—গাল
कन्धा (কন্ধা)—কাঁধ
स्तन (স্তন)—স্তন

सिर (সির্)—মাথা
खोपड़ी (খোপড়ী)—মাথার খুলি
आँख (আঁখ)—চক্ষু
बाल (বাল)—চুল
कान (কান্)—কান
होंठ (হোঁঠ)—ঠোঁট
छाती (ছাতী)—বুক
फेफड़ा (ফেফড়া)—ফুসফুস

हृदय (হৃদয়)—হৃদয়
बाँह (বাঁহ)—বাহু (সম্পূর্ণ হাত)
हथेली (হথেলী)—হাতের তালু
कुहनी (কুহনী)—কনুই
पेट (পেট)—পেট, উদর
जाँघ (জাঁঘ)—উরু
कमर (কমর)—কোমর
हड्डी (হড্ডী)—হাড়
नाखून (নাখূন)—নখ
एड़ी (এড়ী)—গোড়ালী

रीढ़ (রীঢ়)—মেরুদণ্ড
हाथ (হাথ)—হাত।
कलाई (কলাঈ)—হাতের কব্জি
उंगली (উংগলী)—আঙুল
पैर (প্যায়র)—সমস্ত পা।
घुटना (ঘুটনা)—হাঁটু
नितम्ब (নিতম্ব)—পাছা
नस (নস)—নাড়ি
पलक (পলক)—চোখের পাতা
खून (খূন)—রক্ত

फल (ফল)—ফল

आम (আম)—আম
आँवला (আঁওয়লা)—আমলকী
केला (কেলা)—কলা
कटहल (কট্‌হল)—কাঁঠাল
खजूर (খজূর)—খেজুর
जैतुन (জ্যায়তুন)—জলপাই
पपीता (পপীতা)—পেঁপে
नींबु (নীঁবু)—লেবু
संतरा (সন্‌তরা)—কমলালেবু
सवेदा (সওয়েদা)—সবেদা
खीरा (খীরা)—শশা

अंगूर (অংগূর)—আঙুর
अमरूद (অমরূদ)—পেয়ারা
किसमिस (কিস্‌মিস্)—কিসমিস
खरबूजा (খরবূজা)—খরমুজ
जामुन (জামুন)—জাম
तरबुज (তরবুজ)—তরমুজ
नासपाती (নাসপাতী)—নাসপাতি
सेब (সেব)—আপেল
सीताफल (সীতাফল)—আতা
लीचु (লীচু)—লিচু
गेन्डा (গেন্ডা)—আখ

फूल (ফূল)—ফুল

गुलाब (গুলাব্)—গোলাপ
कनेर (কনের)—করবী
चम्पा (চম্পা)—চাঁপা
कोंपल (কোঁপল্)—মুকুল, কলি

कमल (কমল)—পদ্ম
जूही (জূহী)—যুঁই
गेन्दा (গেন্দা)—গাঁদা
पंखुड़ी (পন্‌খুড়ী)—পাপড়ি

गाछ (গাছ)—গাছ

पेड़ (পেড়)—বড় গাছ
डाल (ডাল)—শাখা
जड़ (জড়)—শিকড়
[illegible] (বরগদ)—বটগাছ
पौधा (পওধা)—চারাগাছ
पत्ता (পত্‌তা)—পাতা
पिपल (পিপল)—অশ্বত্থ গাছ
बाबूल (ওয়াবূল)—বাবলা গাছ
ताड़ का पेड़ (তাড় কা পেড়)—তালগাছ।
चाय का पौधा (চায় কা পওধা)—চা গাছ।
नारियल का पेड़ (নারিয়ল কা পেড়)—নারিকেল গাছ।

जानवर (জান্‌ওয়র)—জানোয়ার

गाय (গায়)—গাই গরু
बछेड़ा (বছেড়া)—বাছুর
भेड़िया (ভেড়িয়া)—ভেড়া, মেষ।
बकरा (বক্‌রা)—ছাগ
कुत्ता (কুত্তা)—কুকুর
बिल्ली (বিল্লী)—বেড়াল
सुंओर (সুওর্)—শূকর
हिरण (হিরণ্)—হরিণ
खरहा (খর্‌হা)—খরগোস
सियार (সিয়ার)—শিয়াল
शेर (শের্)—বাঘ
गैन्डा (গ্যায়ন্‌ড়া)—গণ্ডার
चूहा (চূহা)—বড় ইঁদুর
बैल (ব্যায়ল্)—বলদ
बकरी (বক্‌রী)—ছাগী
भैंस (ভ্যায়স্)—মহিষ
घोड़ा (ঘোড়া)—ঘোড়া
कुतिया (কুতিয়া)—কুকুরী
गदहा (গদ্‌হা)—গাধা
ऊँट (উঁট)—উট
हाथी (হাথী)—হাতী
नेवला (নেওয়লা)—নেউল
लोमड़ी (লোমড়ী)—খেঁকশিয়াল
भालू (ভালূ)—ভালুক
लंगुर (লংগুর)—বাঁদর
मूसा (মূসা)—নেংটি ইঁদুর

सरीसृप (সরীসৃপ)—সরীসৃপ

साँप (সাঁপ)—সাপ
गिरगिट (গিরগিট)—গিরগিটি
गोह (গোহ্)—গোসাপ
मेढक (মেঢক্)—ব্যাঙ
केंचुआ (কেঁচুআ)—কেঁচো
छिपकिली (ছিপ্‌কিলী)—টিকটিকি
कछुआ (কছুআ)—কচ্ছপ
बिच्छु (বিচ্ছু)—বিছা

पंछी (পন্‌ছী)—পাখী

पंछी, चिड़िया (পন্‌ছী, চিড়িয়া)—পাখী
कोयल (কোয়ল)—কোকিল
कठफोड़वा (কঠ্‌ফোড়ওয়া)—কাঠঠোকরা
वत्तक (বত্তক)—হাঁস
चमगादड़ (চমগাদড়)—চামচিকা
मोर (মোর্)—ময়ূর
बगुला (বগুলা)—বক
सुग्गा (সুগ্‌গা)—টিয়া
पापीहा (পাপীহা)—পাপিয়া
कबुतर (কবুতর্)—পায়রা
कौआ (কওয়া)—কাক
वत्तकी (বত্তকী)—হংসী
गीध (গীধ)—শকুন
मोरनी (মোর্‌নী)—ময়ূরী
मैना (ম্যায়না)—ময়না
तोता (তোতা)—তোতা
मछरंगा (মছ্‌রঙ্গা)—মাছরাঙা

रंग (রংগ)—বর্ণ

सफेद (সফেদ)—সাদা
लाल (লাল)—লাল
नारंगी (নারংগী)—কমলা
भूरा (ভূরা)—খাকী
हरा (হরা)—সবুজ
बैगनी (ব্যায়গনী)—বেগুনী
काला (কালা)—কালো
गुलाबी (গুলাবী)—গোলাপী
नीला (নীলা)—নীল
पीला (পীলা)—হলদে
सुनहला (সুন্‌হলা)—সোনালী
विविध वर्ण (ওয়িবিধ ওয়র্‌ণ্)—বিবিধ বর্ণ

स्वाद (সওয়াদ)—আস্বাদ

मीठा (মিঠা)—মিষ্ট।
चटपटा (চট্‌পটা)—ঝাল
खारा, नमकीन (খারা, নমকীন)—নোন্‌তা
खट्टा (খট্টা)—টক
तीखा (তীখা)—তীক্ষ্ণ
कडुआ (কড়ুয়া)—তিক্ত, কটু

कीड़े-मकोड़े (কীড়ে-মকোড়ে)—কীট-পতঙ্গ

चींटि (চিঁটি)—পিঁপড়া
खटमल (খটমল)—ছারপোকা
झींगुर (ঝীন্‌গুর)—ঝিঁঝিঁপোকা
तितली (তিত্‌লী)—প্রজাপতি
मच्छर (মচ্ছর)—মশা
तेलचिट्टा (তেলচিট্টা)—আরশুলা
जुगनू (জুগনূ)—জোনাকী
मक्खी (মক্‌খী)—মাছি

मकड़ा (মকড়া)—মাকড়সা
फतिंगा (ফতিংগা)—ফড়িং
भौंरा (ভঁওরা)—ভ্রমর
मधु मक्खी (মধু-মক্খী)—মৌমাছি

तरकारियां (তরকারিয়াঁ)—শাক-সবজী

आलू (আলু)—আলু
बैंगन (ব্যায়গন)—বেগুন
चचींड़ा (চচীঁড়া)—চিচিঙ্গা
भीण्डि (ভীণ্ডি)—ঢ্যাঁড়স
घिया (ঘিয়া)—লাউ
टमाटर (টমাটর)—টম্যাটো
फुलगोभी (ফুলগোভী)—ফুলকপি
कुंड़हा (কুঁড়হা)—কুমড়ো
प्याज (প্যাজ)—পেঁয়াজ
अदरक (অদ্‌রক)—আদা
छिम्मी (ছিম্মী)—সিম
परवल (পর্‌ওয়ল)—পটল
मूली (মূলী)—মূলো
गाजर (গাজর)—গাজর
करेला (করেলা)—করলা
पेठा (পেঠা)—চালকুমড়া
शलगम (শলগম)—শালগম
बंदगोभी (বন্দগোভী)—বাঁধাকপি
सैजन (স্যায়জন)—সজিনা
लहसुन (লহসুন)—রসুন
इमली (ইমলী)—তেঁতুল
शकरकन्द (শকরকন্দ)—রাঙাআলু

मसाल्ला (মসাল্লা)—মশলা

अरहर दाल (অরহর দাল)—অড়হর ডাল
उड़द दाल (উড়দ দাল)—বিরি ডাল
मुंग दाल (মুংগ দাল)—মুগ ডাল
चना (চনা)—ছোলা
सरसों (সরসোঁ)—সরষে
सौंफ (সৌঁফ)—মৌরী
तिल (তিল)—তিল
साबुदाना (সাবুদানা)—সাবু
नमक (নমক)—লবণ
शहद (শহদ)—মধু
अज्वायन (অজ্‌ওয়ায়ন)—জুয়ান
कड़ैया तेल (কড়েয়া তেল)—সরষের তেল
हल्दी (হল্‌দী)—হলুদ
धनिया (ধনিয়া)—ধনে
मुंगफली (মুংগফলী)—চীনাবাদাম
मेथी (মেথী)—মেথী
मिर्च (মির্চ)—মরিচ
इलायची (ইলায়চী)—এলাচ
लौंग (লওংগ)—লবঙ্গ
सुखा मिर्चा (সুখা-মির্চা) শুক্‌নো লঙ্কা
गुड़ (গুড়)—গুড়
खैर (খ্যায়র)—খয়ের

खाने पीने की चीजें (খানে পীনে কী চীজেঁ)

খাদ্যবস্তু সমূহ

चावल (চাওয়ল)—চাল
रोटी (রোটী)—রুটি
दाल (দাল)—ডাল
दही (দহী)—দই
मट्ठा (মট্‌ঠা)—ঘোল
खीर (খীর)—পায়স
भात (ভাত্)—ভাত
चपाती (চপাতী)—রুটি
भाजी (ভাজী)—ভাজা
चटनी (চটনী)—চাট্‌নী
दुध (দুধ)—দুগ্ধ
खिचड़ी (খিচ্‌ড়ী)—খিচুড়ি
गेंहू (গেহুঁ)—গম
पुरी (পুরী)—লুচি
सब्जी (সব্‌জী)—তরকারী
मक्खन (মক্খন)—মাখন
छैना (ছায়না)—ছানা
पुलाव (পুলাওয়)—পোলাও
मछली (মছলী)—মাছ
मांस (মান্‌স)—মাংস
अंडा (অনডা)—ডিম
अचार (অচার)—আচার
मिठाई (মিঠাঈ)—মিঠাই
रसगुल्ला (রসগুল্লা)—রসগোল্লা

बीमारियां (বীমারিয়াঁ)—ব্যাধিসমূহ

बुखार (বুখার)—জ্বর।
खाँसी (খাঁসী)—কাশি
अजीर्ण (অজীরণ)—বদহজম
बवासीर (বওয়াসীর)—অর্শ
काली खाँसी (কালী খাঁসী)-শুকনো কাশি
कृमि (কৃমি)—কৃমি
खुजली (খুজলী)—চুলকানী
चोट (চোট্)—আঘাত
अपस्मार (অপস্মার)—মৃগী
लकवा (লক্‌ওয়া)—পক্ষাঘাত
विषमज्वर (ওয়িষমজ্বর)—ম্যালেরিয়া
हैजा (হ্যায়জা)—কলেরা
मधुमेह (মধুমেহ)—বহুমূত্র
बमन (বমন্)—বমি
जुकाम (জুকাম)—সর্দি
छोजन (ছোজন)—চর্মরোগ
दमा (দমা)—হাঁপানী
अतिसार (অতিসার)—উদরাময়
फुंसी (ফুঁসী)—ব্রণ
लु-लगाना (লু-লগানা)—লু-লাগা
बमन (বমন)—বমি
चक्कर आना (চক্কর আনা)—মাথাঘোরা
आँख दुखना (আঁখ দুখনা)—চক্ষুরোগ
कोढ़ (কোঢ়)—কুষ্ঠ
पेचिस (পেচিস্)—আমাশয়
चेचक (চেচক্)—বসন্ত
केंचुया (কেনচুয়া)—কৃমি
आँख आना (আঁখ আনা)—চক্ষু উঠা

जाति विषयक (জাতি ওয়িষয়ক)—জাতি সম্বন্ধে

हिन्दू (হিন্দু)—হিন্দু
मुसलमान (মুসলমান)—মুসলমান

किसान (किসান)—কৃষক

कुम्हार (কুম্হার)—কুমার

ठठेरा (ঠঠেরা)—কাঁসারী

जूलाहा (জুলাহা)—তাঁতী

सैनिक (স্যায়নিক)—সৈনিক

धोबी (ধোবী)—ধোপা

चंडाल (চন্ডল)—চাঁড়াল

लोहार (লোহার)—কামার

सुनार (সুনার)—স্বর্ণকার

बड़ई (বড়ঈ)—ছুতার

मछुआ (মছুআ)—জেলে

नाई (নাঈ)—নাপিত

चमार (চমার)—মুচি

भांगी (ভাংগী)—মেথর

घर का सामान (ঘর কা সামান) গৃহস্থালীর দ্রব্য

घर (ঘর্)—ঘর

किला (কিলা)—দুর্গ

इमारत (ইমারত)—পাকা বাড়ী

झोंपड़ी (ঝোঁপড়ী)—কুঁড়েঘর

दीवार (দীওয়্া্র)—দেওয়াল

कमरा (কমরা)—কক্ষ

छत (ছত্)—ছাদ

रसोईखाना (রসোঈখানা)—রান্নাঘর

गुसलखाना (গুসলখানা)—স্নানের ঘর

गोदाम (গোদাম)—গুদাম

भंडार (ভন্ডার)—ভাঁড়ার

शोने का कमरा (শোনে কা কমরা)—শয়নঘর

टट्टी (টট্টী)—পায়খানা

दरवाजा (দরওয়াজা)—দরজা

खिड़की (খিড়কী)—জানালা

बगीचा (বগীচা)—বাগান

किराये का मकान (কিরায়ে কা মকান)—ভাড়াটে বাড়ি

अंगीठी (অন্গীঠী)—উনুন

दिया (দিয়া)—প্রদীপ

ढक्कन (ঢক্কন)—ঢাকনা

झुला (ঝূলা)—দোলনা

पलंग (পলংগ)—পালঙ্ক

तकिया (তকিয়া)—বালিশ

चटाई (চটাঈ)—মাদুর

आईना (আঈনা)—আয়না

प्याला (প্য়ালা)—পেয়ালা

खिलौना (খিলওনা)—খেলনা

आराम कुर्सी (আরাম কুর্সী)—আরাম কেদারা

कड़ाही (কড়াহী)—কড়াই

चलनी (চল্নী)—চালুনী

कील (কীল্)—পেরেক

खाट (খাট)—খাট

बिछौना (বিছওনা)—বিছানা

दरि (দরি)—সতরঞ্চি

चारपाई (চারপাঈ)—খাটিয়া

कंघी (কন্ঘী)—চিরুনী

रस्सी (রস্সী)—দড়ি

गुड़िया (গুড়িয়া)—পুতুল

कुर्सी (কুর্সী)—চেয়ার

मेज (মেজ)—টেবিল্

पंख (পন্খ)—পাখা

झाड़ु (ঝাড়ু)—ঝাড়ু, ঝাঁটা

बरतन (বর্তন্)—বাসন

थाली (থালী)—থালা

कटोरा (কটোরা)—বাটি

चक्की (চক্কী)—যাঁতা

सन्दुक (সন্দূক)—সিন্দুক

गद्दा (গদ্দা)—গদি

चद्दर (চদ্দর)—চাদর

धोती (ধোতী)—ধুতি

परदा (পর্দা)—পরদা

टोपी (টোপী)—টুপী

चुला (চুলা)—উনুন

कीचड़ (কীচড়)—কাদা

पुआल (পুআল)—খড়

तसवीर (তস্ওয়ীর)—ছবি

चाभी (চাভী)—চাবি, কুন্জী

कंगी (কান্গী)—কঙ্কন

तशतरी (তশ্তরী)—রেকাব

गिलास (গিলাস)—গেলাস

केतली (কেত্লী)—কেট্লী

पेटी (পেটী)—ট্রাংক

तौलिया (তওলিয়া)—তোয়ালে

रजाई (রজাঈ)—লেপ

कामिज (কামিজ)—জামা

साड़ी (সাড়ী)—শাড়ি

चप्पल (চপ্পল)—চটি জুতা

मच्छरदान (মচ্ছরদান)—মশারী

बालू (বালূ)—বালি

खपरैल (খপর্যায়ল্)—টালি

कुँआ (কুঁআ)—কূয়া

शिक्षा बिषयक (শিক্ষা ওষিয়ক)—শিক্ষা বিষয়ক

किताब (কিতাব্)—বই

कलम (কলম)—কলম

दवात (দওয়াত)—দোয়াত

कक्षा (কক্ষা)—শ্রেণী

बंगला (বংগ্লা)—বাংলা

अंग्रेजी (অংগ্রেজী)—ইংরাজী

इतिहास (ইতিহাস)—ইতিহাস

गणित (গড়িত)—অঙ্ক

हस्ताक्षर (হস্তাক্ষর)—হস্তাক্ষর

शिक्षक (শিক্ষক)—শিক্ষক

कापी (কাপী)—খাতা

पेंसिल (পেন্সিল)—পেন্সিল্

स्याही (সয়াহী)—কালি

विद्यालय (ওয়িদ্ইয়ালয়)—বিদ্যালয়

हिन्दी (হিন্দী)—হিন্দী

विज्ञान (ওয়িজ্ঞান)—বিজ্ঞান

भूगोल (ভূগোল)—ভূগোল

हिसाब (হিসাব)—হিসাব

छुट्टी (ছুট্টি)—ছুটি

अखबार (অখ্ওয়ার্)—সংবাদপত্র

यान-वाहन (ইয়ান-বাহন)—যান-বাহন

बैलगाड़ी (ব্যায়ল্‌গাড়ী)—গরুরগাড়ি।
टंगा (টন্‌গা)—এক্কাগাড়ি
मोटर (মোটর)—মোটর
रिक्स (রিক্স)—রিক্সা
रेल (রেল্)—রেল
हवाइ जाहाज (হওয়াই জাহাজ)—এরোপ্লেন
घोड़ा गाड़ी (ঘোড়া গাড়ী)—ঘোড়ার গাড়ী
डोली (ডোলী)—ডুলী, পালকী
साइकल (সাইকল্)—সাইকেল
बस (বস্)—বাস
नाव (নাও)—নৌকা।
जहाज (জহাজ)—জাহাজ

महिनों के नाम (মহিনোঁ কে নাম)—মাসের নাম

वैशाख (ওয়্যাইশাখ্)—বৈশাখ
अषाढ़ (অষাঢ়)—আষাঢ়
भादों (ভাদোঁ)—ভাদ্র
कार्तिक (কার্তিক)—কার্তিক
पुष (পুষ্)—পৌষ
फाल्गुन (ফাল্‌গুন)—ফাল্গুন
जेठ (জেঠ)—জ্যৈষ্ঠ
शावन (শাওয়ন্)—শ্রাবণ
क्वार (ক্‌ওয়ার)—আশ্বিন
अगहण (অগ্‌হণ)—অগ্রহায়ণ
माघ (মাঘ)—মাঘ
चैत (চ্যারত)—চৈত্র

अंग्रेजी महिनों के नाम (অংগ্রেজী মহিনোঁ কে নাম) ইংরাজী মাসের নাম

जानवरी (জানওয়ারী)—জানুয়ারী
मार्च (মার্চ)—মার্চ
मई (মঈ)—মে
जुलाई (জুলাঈ)—জুলাই
सितम्बर (সিতম্বর)—সেপ্টেম্বর
नवम्बर (নওম্বর)—নভেম্বর
फरवरी (ফরওয়রী)—ফেব্রুয়ারী
अप्रैल (অপ্র্যায়ল্)—এপ্রিল
जुन (জুন)—জুন
अगस्त (অগস্ত)—আগস্ট
अक्तुबर (অকতুবর)—অক্টোবর
दिसम्बर (দিসম্বর)—ডিসেম্বর

वार का नाम (বার কা নাম)—বারের নাম

एतवार (এত্‌ওয়ার)—রবিবার
मंगलवार (মন্‌গলওয়ার)—মঙ্গলবার
गुरुवार (গুরুওয়ার)—বৃহস্পতিবার
सोमवार (সোমওয়ার)—সোমবার
बुधवार (বুধওয়ার)—বুধবার
शुक्रवार (শুক্রওয়ার)—শুক্রবার
शनिचर (শনিচর)—শনিবার

पाठ—५ (পাঠ—৫)

विविध शब्द (ওয়িবিধ শব্দ)—বিবিধ শব্দ

अन्दर (অন্দর)—ভিতরে
नजदीक (নজদীক্)—নিকটে
झील (ঝীল্)—সরোবর
संख्या (সন্‌খ্‌ইয়া)—সংখ্যা
याद (ইয়াদ)—স্মরণ
उधार (উধার)—ধার, ঋণ
कंबल (কন্‌বল্)—কম্বল
थालि (থালি)—থালা
पत्थर (পত্‌থর)—পাথর
सच (সচ্)—সত্য
गुड़िया (গুড়িয়া)—পুতুল
हवा (হওয়া)—বাতাস
बटन (বটন্)—বোতাম
बुड्ढा (বুড্‌ঢা)—বুড়ো
अंधा (অন্‌ধা)—অন্ধ
गुंगा (গুংগা)—বোবা
नाटा (নাটা)—বেঁটে
दुशमन (দুশমন)—শত্রু
किसान (কিসান)—কৃষক
लम्बाई (লম্বাই)—লম্বা
हत्या (হত্‌ইয়া)—হত্যা
अच्छा (অচ্ছা)—ভালো
ताजा (তাজা)—টাটকা
बाहर (বাহর)—বাইরে
दूर (দূর)—দূরে
तालाब (তালাব)—পুকুর
शोर (শোর)—গোলমাল
दुकान (দুকান)—দোকান
आँसू (আঁসূ)—চোখের জল
बजार (বজার)—বাজার
शादी (শাদী)—বিয়ে
झूट (ঝূট্)—মিথ্যা
खिलौना (খিলওনা)—খেল্‌না
कटोरा (কটোরা)—বাটি
जेब (জেব)—পকেট
पता (পতা)—ঠিকানা
बुड्ढी (বুড্‌ঢী)—বুড়ি
लंगड़ा (লংগড়া)—খোঁড়া
बौना (বওনা)—বধির
दोस्त (দোস্ত)—বন্ধু
सुराही (সুরাহী)—কুঁজো
खेतीवारी (খেতীবারী)—কৃষিকা
चौड़ाई (চওড়াঈ)—চওড়া
हत्यारा (হত্‌ইয়ারা)—হত্যাকারী
बुरा (বুরা)—মন্দ
सड़ा (সড়া)-পচা

डाकाईती (ডাকাঈতী)—ডাকাতি
धोख (ধোখ)—প্রতারণা করা
मंडी (মন্‌ডী)—বাজার
चोरी (চোরী)—চুরি
लूटमारना (লূটমারনা)—লুটপাট ক
मार्ग (মার্গ)—পথ

रेजगारी (রেজ্গারী)—রেজকী
सोना (সোনা)—সোনা
ताँबा (তাঁবা)—তামা
सवाल (সওয়াল)—প্রশ্ন
पानी (পানী)—জল
मौत (মওত)—মৃত্যু।
शशुराल (শশুরাল্)—শ্বশুরবাড়ি
आग (আগ্)—আগুন
दवा (দওয়া)—ঔষধ
भरा (ভরা)—ভর্ত্তি
दाहिना (দাহিনা)—দক্ষিণ
आगे (আগে)—সামনে
प्यास (প্যায়াস)—পিপাসা
ओर (ওর্)—দিক
बहुत (বহুত)—অনেক
शुखा (শুখা)—শুকনো
अब (অব্)—এখন
शर्म (শর্ম্)—লজ্জা
आज (আজ)—আজ
बनना (বন্না)—তৈরী হওয়া
अंधेरा (অন্ধেরা)—অন্ধকার
दागा (দাগা)—আঘাত করা
पतला (পত্‌লা)—পাতলা
दुबला (দুব্‌লা)—রোগা
आधा (আধা)—অর্ধ
शायद (শায়দ্)—হয়ত
शहर (শহর)—শহর
रूपैया (রূপ্যায়য়া)—টাকা

कड़ाई (কড়াঈ)—কঠোর
चाँदी (চাঁদী)—রূপা
अभरक (অভরক্)—অভ্র
जवाब (জওয়াব)—উত্তর
जिन्दगी (জিন্দ্‌গী)—জীবন
सरदी (সর্‌দী)—শীত
मैका (ম্যায়কা)—বাপের বাড়ি
चामड़ा (চম্‌ড়া)—চমড়া
गोली (গোলী)—ট্যাবলেট
बुँद (বুঁদ)—বিন্দু
बाँया (বাঁয়া)—বাম
पिछे (পিছে)—পিছনে
भूखा (ভূখা)—ক্ষুধার্ত
पेशा (পেশা)—বৃত্তি
थोड़ा (থোড়া)—অল্প
भीगा (ভীগা)—ভিজে
जब (জব্)—যখন
हररोज (হর্‌রোজ্)—প্রতিদিন
कल (কল্)—কাল
बनाना (বনানা)—তৈরী করা
चाँदनी (চাঁদনী)—জ্যোৎস্না
सीधा (সীধা)—সোজা
मोटा (মোটা)—মোটা
ताकतवर (তাকত্‌ওয়র্)—শক্তিমান
पुरा (পূরা)—সব
अचानक (অচান্‌ক্)—হঠাৎ
गाँव (গাঁও)—গ্রাম
पैसा (প্যায়সা)—পয়সা

चौअन्नी (চওঅন্নী)—সিকি
नये पैसे (নয়ে প্যায়সে)—নয়া পয়সা
बीमारी (বীমারী)—রোগ
नौकर (নওকর)—চাকর
गोद (গোদ্)—কোল
बाद में (বাদ্ মেঁ)—বাদে
मर्द (মর্দ)—পুরুষ
डर (ডর্)—ভয়
बादल (বাদল)—মেঘ
जंगल (জন্‌গল্)—বন, অরণ্য
ऊम्र (উম্র)—বয়স
दुल्हा (দুল্‌হা)—বর
पूँछ (পুঁছ্)—লেজ
खूबसूरत (খুবসূরত)—সুন্দর
दर्द (দর্দ)—ব্যথা, বেদনা
धीरे से (ধীরে সে)—আস্তে
मालिक (মালিক)—প্রভু

अठन्नी (অঠন্নী)—আধুলী
पप्पड़ (পপ্পড়)—পাঁপর
अचार (অচার্)—আচার
नौकरानी (নওকরানী)—চাকরানী
काँख (কাঁখ)—কাঁখ
बारे में (বারে মেঁ)—সম্পর্কে
जेनाना (জেনানা)—স্ত্রীলোক
मछली (মছ্‌লী)—মাছ
लड़ाई (লড়াঈ)—যুদ্ধ
खेत (খেত)—জমি
लकीर (লকীর)—রেখা
दुल्हिन (দুল্‌হিন)—কনে
पसीना (পসীনা)—ঘাম
इजाजत (ইজাজত্)—আদেশ
जल्दी (জল্‌দী)—তাড়াতাড়ি
औरत (অওরত্)—নারী
मालकिन (মাল্‌কিন্)—প্রভুপত্নী

डाक और तार (ডাক্ অওর তার)—ডাক এবং তার

डाकखाना (ডাক্‌খানা)—পোষ্টাফিস্
पोस्ट मास्टर (পোস্ট মাস্টর)—পোষ্ট মাষ্টার
चिट्ठि (চিট্‌ঠী)—চিঠি
तार (তার)—টেলীগ্রাম
डाकिया (ডাকিয়া)—ডাক পিওন

लेफाफा (লেফাফা)—খাম
किराया (কিরায়া)—ভাড়া
महशुल (মহ্‌শুল)—মাশুল

पाठ—६ (পাঠ—৬)

व्याकरण (ব্যায়াকরড়্)

যে কোনও ভাষা ভালোভাবে শিক্ষা করতে হলে, সেই ভাষায় ব্যাকরণ

সম্পর্কে জ্ঞান অর্জন করতে হয়, তা না হলে ভাষা শুদ্ধভাবে বলা ও লেখা যায় না। বাংলা ভাষার মতই হিন্দী ভাষার ব্যাকরণ। তবে কিছু কিছু ক্ষেত্রে এর তফাৎ দেখা যায়। এগুলি ভালভাবে জেনে রাখা দরকার। যেমন—সর্বনাম।

বাংলা ভাষায় সর্বনামের লিঙ্গ ভেদ হয় না। স্ত্রীলিঙ্গ ও পুংলিঙ্গ একই প্রকার থাকে। হিন্দীতে কিন্তু তা নয়। হিন্দী ভাষায় সর্বনাম পুংলিঙ্গ এবং স্ত্রীলিঙ্গ ভেদে ভিন্নরূপে ব্যবহৃত হয়।

(ক) হিন্দীতে প্রথমা বিভক্তিতে কর্তার সঙ্গে ने' (নে)-প্রত্যয় যুক্ত হয়। যেমন—আমি খেয়েছি— मैंने खाया' (মঁয়নে খায়া)। তুমি খেয়েছ— तुमने खाया' (তুমনে খায়া) ইত্যাদি।

(খ) বাংলায় 'এর' বিভক্তির স্থলে হিন্দীতে का' (কা), के' (কে), की' (কী) বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন--বিমলের ঘর—विमल का घर (ওয়িমল কা ঘর)। আপনার ঘর— आपके घर (আপকে ঘর), শীলার ঘর— शीला की घर (শীলা কী ঘর)। গ্রামের ছেলে—गाँव का लड़का (গাঁও কা লড়কা)। ঘরের বলদ— घर का बैल (ঘর কা ব্যয়ল্)।

(গ) কোনও কিছুর ওপরে বুঝতে হিন্দীতে पर' যুক্ত হয়। যেমন—টেবিলের ওপর— मेज पर (মেজ্ পর)। বিছানার ওপর— बिस्तरा पर (বিস্তরা পর)। ছাদের ওপর— छत पर (ছত্ পর)। চেয়ারের ওপর— कुर्सी पर (কুর্সী পর)। গাছের ওপর— पेड़ पर (পেড় পর)। ইত্যাদি।

(ঘ) বাংলায় 'এ' 'তে' বিভক্তি স্থলে হিন্দীতে में' (মেঁ) বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন—পথে--- सड़क में (সড়ক মেঁ)। ঘরে— घर में (ঘর মেঁ)। দোকানে—दूकान में (দূকান মেঁ)।

(ঙ) বাংলায় 'হইতে' স্থলে হিন্দীতে से' (সে) যুক্ত হয়। যেমন— গাছ থেকে—पेड़ से (পেড় সে)। তোমার নিকট হইতে—तुम से (তুম্ সে), তাহার নিকট হইতে— उस से (উস্ সে)।

সর্বনাম (সরওনাম)

বাংলার মত হিন্দীতে দু'টি বচন আছে। যেমন—एकवचन (একবচন) ও बहुवचन (ওয়হুবচন)। একটি সংখ্যা বোঝাতে একবচন এবং একের অধিক বোঝাতে, বহুবচন ব্যবহৃত হয়। হিন্দীতে সর্বনামগুলি একবচন ও বহুবচনে কি

ভাবে পরিবর্তন হয়, নিচে তার আলোচনা করা হলো।

एकबचन (একবচন)	बहुबचन (ওয়হুবচন)
मैं (ময়)—আমি	हम (হম্)—আমরা
तु (তু)—তুই	तु सब (তু সব)—তোরা
तुम (তুম্)—তুমি	तुमलोग (তুম্‌লোগ)—তোমরা
आप (আপ্)—আপনি	आपलोग (আপ্‌লোগ)—আপনারা
वह (ওয়হ্)—সে	वे (ওয়ে)—তারা, তাঁরা, তিনি
मेरा (মেরা)—আমার	हमारा (হমারা)—আমাদের
तेरा (তেরা)—তোর	तु सबका (তু সবকা)—তোদের
तुम्हारा (তুমহারা)—তোমার	तुमलोगों का (তুমলোগোঁ কা)—তোমাদের
आपका (আপকা)—আপনার	आपलोगों का (আপলোগোঁ কা)-আপনাদের
उसका (উস্কা)—তাহার	उनका (উন্‌কা)—তাঁহার, তাঁদের

उनलोगों का (উন্‌লোগোঁ কা)—উহাদের, তাহাদের
मुझको, मुझे (মুঝকো, মুঝে)—আমাকে
तुझको, तुझे (তুঝকো, তুঝে)—তোকে
तुमको, तुम्हे (তুমকো, তুমহে)—তোমাকে
आपको (আপ্‌কো)—আপনাকে
उनको, उनहे (উন্‌কো, উন্‌হে)—তাঁহাকে
उसको, उसे (উসকো, উসে)—তাহাকে
हमको, हमें (হমকো, হমেঁ)—আমাদিগকে
तु सबको (তু সব্‌কো)—তোমাদের সকলকে
तुमलोगोंको (তুম্‌লোগোঁকো)—তোমাদিগকে
आपलोगोंको (আপলোগোঁকো)—আপনাদিগকে
उनको, उन्हें (উন্‌কো, উন্‌হেঁ)—তাঁহাদিগকে (গৌরবার্থে)
उनको, उन्हें (উন্‌কো, উন্‌হেঁ)—তাহাদের

क्रिया (ক্রিয়া)

বাংলা ভাষার মতো হিন্দীতেও ক্রিয়া আছে এবং ক্রিয়ার তিনটি কাল আছে। বাংলা ভাষায় বচন ও লিঙ্গভেদে ক্রিয়ার রূপের পরিবর্তন হয় না। কি

হিন্দীতে বচন ও লিঙ্গভেদে ক্রিয়ার রূপের পরিবর্তন হয়।

বাংলার মতো হিন্দীতেও ক্রিয়ার তিনটি কাল আছে। যেমন—(১) वर्तमान (ওয়র্তমান), (২) अतीत (অতীত) এবং भविष्य (ভওয়িষ্‌ইয়)। হিন্দীতে এই তিনটি কাল, লিঙ্গ, বচন অনুসারে ক্রিয়ার ব্যবহার হয়। এ সম্পর্কে বেশ ভালভাবে জ্ঞান লাভ করতে হলে সর্বনামগুলি সম্পর্কে ভালভাবে জানতে হবে। এজন্য প্রথমে সর্বনামগুলির অলোচনা করা হয়েছে।

वर्तमान काल (ওয়র্‌তমান কাল)

হিন্দীতে বর্তমান কালে—हूँ, है, हैं, हो বিভক্তি যুক্ত করা হয়। নিচে তার উদাহরণ দেওয়া হলো। যেমন—

एकबचन (একবচন)	बहुबचन (ওয়হুবচন)
मैं हुँ (ম্যাঁয় হুঁ)—আমি হই।	हम हैं (হম্ হ্যাঁয়)—আমরা হই।
तु है (তু হ্যায়)—তুই হস্।	तुम हो (তুম হো)—তুমি হও।
आप हैं (আপ হ্যাঁয়)—আপনি হন।	आपलोग हैं (আপলোগ হ্যাঁয়)—আপনারা হন।
वह है (ওয়হ্ হ্যায়)—সে হয়।	
वे हैं (ওয়ে হ্যাঁয়)—তাঁরা বা তিনি হন।	

अतीत काल (অতীত কাল)

হিন্দীতে অতীত কালে লিঙ্গ ও বচন অনুসারে—था' थे' थी' थीं' বিভক্তি যুক্ত হয়।

एकबचन (একবচন)	बहुबचन (ওয়হুবচন)
मैं था (ম্যাঁয় থা)—আমি ছিলাম।	हम थे (হম্ থে)—আমরা ছিলাম।
तु था (তু থা)—তুই ছিলি।	तुम थे (তুম্ থে)—তুমি ছিলে।
आप थे (আপ্ থে)—আপনি ছিলেন।	आपलोग थे (আপলোগ থে)—আপনারা ছিলেন।
वह था (ওয়হ্ থা)—সে ছিল।	वे थे (ওয়ে থে)—তাহারা ছিল। তিনি ছিলেন। তাঁরা ছিলেন।

भविष्यत काल (ভওয়িষ্‌ইত কাল)

হিন্দীতে ভবিষ্যৎ কালে লিঙ্গ ও বচন অনুযায়ী— हूँगा, होगा, होगे, होंगे বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন—

एकबचन (একবচন)	बहुबचन (ওয়হুবচন)
मैं हुँगा। (ম্যাঁয় হুঁগা।)—আমি হইব।	हम होंगे। (হম্ হোংগে)—আমরা হইব।
तु होगा। (তুঁ হোগা।)—তুই হবি।	तुम होगे। (তুম্ হোগে।)—তুমি হবে।

आप होंगे। (আপ হোংগে।)—আপনি হবেন।

आपलोग होंगे। (আপলোগ হোংগে।)—আপনারা হবেন।

वह होगा। (ওয়হ্ হোগা।)—সে হবে। वे होंगे। (ওয়ে হোংগে।)—তিনি হবেন।

এতক্ষণ সর্বনামের সঙ্গে বর্তমান, অতীত ও ভবিষ্যৎ কালের বিভক্তিগুলি লিঙ্গ ও বচন অনুসারে দেখানো হলো। এখানে কয়েকটি ক্রিয়া লিঙ্গ ও বচন অনুসারে কিভাবে পরিবর্তিত হয়, তার আলোচনা করা হচ্ছে।

जाना (জানা)—যাওয়া—বর্তমান কাল

(একবচন—পুংলিঙ্গ)

मैं जाता हुँ। (ম্যাঁয় জাতা হুঁ।)—আমি যাচ্ছি।

तुम जाता है। (তুম জাতা হ্যায়।)—তুমি যাচ্ছ।

तु जाता है। (তু জাতা হ্যায়।)—তুই যাচ্ছিস।

वह जाता है। (ওয়হ্ জাতা হ্যয়।)—সে যাচ্ছে।

(বহুবচন—পুংলিঙ্গ)

हम जाते हैं। (হম্ জাতে হ্যাঁয়।)—আমরা যাই।

तुम जाते हो। (তুম্ জাতে হো।) -তুমি যাও।

वे जाते हैं। (ওয়ে জাতে হ্যাঁয়।)—তাঁরা যান বা তারা যায়।

এবার উপরোক্ত 'जाना' ক্রিয়াটি স্ত্রীলিঙ্গ 'जाता' স্থলে 'जाती' হবে। যেমন—

স্ত্রীলিঙ্গ একবচন—मैं जाती हूँ। (ম্যাঁয় জাতী হুঁ।)—আমি যাই ইত্যাদি।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচন—हम जाती हैं। (হম্ জাতী হ্যাঁয়।)—আমরা যাই।

खाना (খানা)—খাওয়া

(বর্তমান কাল—পুংলিঙ্গ)

যদি প্রথমা বিভক্তিতে ने' প্রত্যয় যুক্ত হয়, তাহলে বাক্যগুলি নিম্নরূপ হবে।

যেমন—

मैंने खाया । (ম্যাঁয়নে খায়া।)—আমি খেলাম।

तुने खाया । (তুনে খায়া।)—তুই খেলি।

उसने खाया । (উস্‌নে খায়া।)—সে খেল।

हमने खाया । (হম্‌নে খায়া।)—আমরা খেলাম।

तुमने खाया । (তুম্‌নে খায়া।)—তোমরা খেলে।

उन्होंने खाया । (উন্‌হোঁনে খায়া।)—তাঁরা বা তারা খেলেন।

বিঃ দ্রঃ—স্ত্রীলিঙ্গে খায়া' হলে খায়ী' (খায়ী)—হবে।

অতীত কাল

হিন্দীতে অতীতকাল বোঝাতে পুংলিঙ্গ একবচনে—था (থা) বিভক্তি, পুংলিঙ্গ বহুবচনে थे (থে) যুক্ত হয়। যেমন—

(একবচন—পুংলিঙ্গ)

हम खाया था । (হম্ খায়া থা।)—আমি খেয়েছি।

तुने खाया था । (তুনে খায়া থা।)—তুই খেয়েছিস।

उसने खाया था । (উস্‌নে খায়া থা।)—সে খেয়েছে।

(বহুবচন—পুংলিঙ্গ)

हमने खाये थे । (হম্‌নে খায়ে থে।)—আমরা খেয়েছি।

तुमने खाये थे । (তুমনে খায়ে থে।)—তোমরা খেয়েছ।

तुने खाये थे । (তুনে খায়ে থে।)—তোরা খেয়েছিস।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—खायी थी (খায়ী থী) এবং বহুবচনে— खायी थीं (খায়ী থীঁ) হবে।

ভবিষ্যৎ কাল

(একবচন—পুংলিঙ্গ)

मैं खाउंगा । (ম্যাঁয় খাউংগা।)—আমি খাব।

तुम खायोगे । (তুম খায়োগে।)—তুমি খাবে।

(বহুবচন—পুংলিঙ্গ)

हम खायेंगे । (হম্ খায়েঙ্গে।)—আমরা খাব।

वे खायेंगे । (ওয়ে খায়েঙ্গে।)—তারা খাবে।

पाठ—७ (পাঠ—৭)

पद परिचय (পদ পরিচয়)

बिमल के पास कलम है । (ওয়িমল্ কে পাস কলম হ্যায়।)—বিমলের কাছে কলম আছে।

मिता अच्छी लड़की है । (মিতা অচ্ছী লড়কী হ্যায়।)—মিতা ভালো মেয়ে।

अनिल और सुनील जल्दी आता है । (অনিল অওর সুনীল জল্দী আতা হ্যায়।)—অনিল ও সুনীল তাড়াতাড়ি আসছে।

आह, मुझे जाने दो । (আহ্, মুঝে জানে দো)—আঃ, আমাকে যেতে দাও।

উপরে চারটি বাক্য দেওয়া হয়েছে। এর মধ্যে প্রথম বাক্যটিতে—बिमल কোনও ব্যক্তির নাম এবং कलम একটি বস্তুর নাম বোঝাচ্ছে।

দ্বিতীয় বাক্যে—अच्छा শব্দটি স্ত্রীলিঙ্গে अच्छी হয়েছে এবং लड़की শব্দের গুণ বোঝাচ্ছে।

তৃতীয় বাক্যে—जल्दी' শব্দটি आता' ক্রিয়ার অবস্থা বোঝাচ্ছে। और' শব্দটি অনিল ও সুনিল দুটি বাক্যকে যুক্ত করেছে। जाती है' শব্দটি দ্বারা যাওয়া বোঝাচ্ছে।

চতুর্থ বাক্যে—आह' শব্দটি দ্বারা মনের আবেগ বা দুঃখ প্রকাশ করছে।

वाक्य में व्यवहृत प्रत्येक शब्द को 'पद' कहते हैं (ওয়াক্য় মে ওয়হৃত প্রত্যেক শব্দ কো পদ কহতে হ্যায়)—বাক্যে ব্যবহৃত প্রত্যেক শব্দকে পদ বলে।

হিন্দী এবং বাংলা উভয় ভাষাতেই পদ পাঁচ প্রকার। যেমন—

১. संज्ञा (সংজ্ঞা)—বিশেষ্য। ২. विशेषण (ওয়িশেষণ্)—বিশেষণ। ৩. सर्वनाम (সর্‌ওয়নাম্)—সর্বনাম। ৪. क्रिया (ক্রিয়া)—ক্রিয়া। ৫. अव्यय (অব্‌ইয়য়্)—অব্যয়।

संज्ञा (সংজ্ঞা)—বিশেষ্য

বাংলার মতোই হিন্দীতে (संज्ञा) বিশেষ্য পাঁচ প্রকার। যেমন—(১) व्यक्तिवाचक (ওয়ক্তিওয়াচক্), (২) जातिवाचक (জাতিওয়াচক্)—জাতিবাচক। (৩) समुहवाचक (সমূহওয়াচক্), (৪) द्रव्यवाचक (দ্রব্‌ওয়াচক্) (৫) भाववाचक (ভাবওয়াচক)।

১. ব্যক্তিবাচক (ওয়ক্তিওয়াচক্)—যে বিশেষ্য দ্বারা কোনও ব্যক্তি, বস্তু বা স্থানের নাম বুঝায়। তাকে বলা হয় ব্যক্তিবাচক সংজ্ঞা (ওয়ক্তিওয়াচক্ সংজ্ঞা)। যেমন—হরেন (হরেন), এক ব্যক্তির নাম। গংগা (গন্‌গা)—একটি নদীর নাম। কিতাব (কিতাব) পুস্তক। একটি বস্তুর নাম। কলকত্তা (কলকত্তা)—কলিকাতা, একটি স্থানের নাম। সোনা (সোনা) একটি ধাতুর নাম ইত্যাদি।

২. জাতিবাচক (জাতিওয়াচক্)—এই বিশেষ্য বা সংজ্ঞা' দ্বারা এক জাতীয় সব প্রাণী বা বস্তুকে বোঝায়। যেমন—মনুষ্য (মনুষ্‌ইয়্)—মানুষ। শের (শের)—বাঘ। কুত্তা (কুত্তা)—কুকুর। পৌধা (পওধা)—চারাগাছ।

৩. সমূহবাচক (সমূহওয়াচক্)—এই বিশেষ্য দ্বারা এক জাতীয় বহু বস্তুকে একটির মতো বোঝায়।

৪. দ্রব্যবাচক (দ্রবইয়ওয়াচক্)—এই বিশেষ্য দ্বারা যে কোনও দ্রব্যকে বোঝায়।

৫. ভাববাচক (ভাব্‌ওয়াচক্)—এই বিশেষ্য দ্বারা হর্ষ, বিষাদ, ভয় প্রভৃতি মনের ভাব বোঝায়।

বিশেষণ (ওয়িশেষড়ঁ)—বিশেষণ

যে পদের দ্বারা বিশেষ্য পদের দোষ, গুণ, অবস্থা, পরিমাণ বা সংখ্যা বোঝায়, তাকে বিশেষণ বলে।

সংজ্ঞা যা সর্বনাম কী বিশেষতা বতানেবালে শব্দোঁ কো বিশেষণ কহতে হৈঁ (সংজ্ঞা ইয়া সর্‌ওয়নাম কী ওয়িশেষতা, বতানেওয়ালা শব্দোঁ কো ওয়িশেষড়ঁ কহ্‌তে হ্যাঁয়)—সংজ্ঞা বা সর্বনামের বিশেষতা বোঝানোর শব্দগুলিকে বিশেষণ বলে। যেমন—

अच्छा लड़का । (অচ্ছা লড়কা।)—ভালো ছেলে।
बुरा लड़का । (বুরা লড়কা।)—খারাপ ছেলে।
अच्छी लड़की । (অচ্ছী লড়কী।)—ভালো মেয়ে।

উপরের বাক্যগুলিতে দেখা যাচ্ছে 'अच्छा' এবং 'बुरा' শব্দ দু'টির দ্বারা লড়কা বিশেষ্য পদের দোষ গুণ বোঝা যাচ্ছে। অতএব 'अच्छा' ও 'बुरा'

আবার দেখা যাচ্ছে—অ-কারান্ত বিশেষণ পদ লিঙ্গভেদে পরিবর্তন হয় না। আবার অ-কারান্ত বিশেষণ না হলে বিশেষ্যের লিঙ্গ, বচন অনুসারে বিশেষণের পরিবর্তন হয়। যেমন—

अच्छा लड़का । (অচ্ছা লড়কা।)—ভালো ছেলে। (একবচন)
अच्छी लड़की । (অচ্ছা লড়কী।)—ভালো মেয়ে। (একবচন)
अच्छे लड़के । (অচ্ছে লড়কে।)—ভাল ছেলেগুলি। (বহুবচন)
अच्छी लड़कियाँ । (অচ্ছী লড়কিয়াঁ।)—ভাল মেয়েগুলি। (বহুবচন)

বাংলা ভাষায় যেমন অনেক সময় বিশেষ্যের পরে বিশেষণ ব্যবহৃত হয়। সেই রকম হিন্দীতেও অনেক সময় বিশেষ্যের পরে বিশেষণ ব্যবহৃত হয়। যেমন—

यह कमरा छोटा है । (ইয়হ্ কম্‌রা ছোটা হ্যায়।)—এই ঘরটি ছোট।
वह गुलाब लाल है । (ওয়হ্ গুলাব লাল হ্যায়।)—ঐ গোলাপটি লাল।

উপরের বাক্য দু'টিতে দেখা যায় 'कमरा' বিশেষ্য পদের পরে 'छोटा' বিশেষণ এবং 'गुलाब' বিশেষ্য পদের শেষে 'लाल' বিশেষণ বসেছে।

পুংলিঙ্গ বহুবচন হলে—অ-কারান্ত বিশেষণ পদ এ-কারান্ত হয় এবং স্ত্রীলিঙ্গ উভয় বচনেই ঈ-কারান্ত হয়। যেমন—

छोटा लड़का । (ছোটা লড়কা।)—ছোট ছেলে। (পুং-একবচন)
बड़े लड़के । (বড়ে লড়কে।)—বড় ছেলেরা। (পুং-বহুবচন)
बड़ी लड़की । (বড়ী লড়কী।)—বড় মেয়ে। (স্ত্রী-একবচন)
बड़ी लड़कियाँ । (বড়ী লড়কিয়াঁ।)—বড় মেয়েরা। (স্ত্রী-বহুবচন)

सर्वनाम সর্‌ওয়নাম্—সর্বনাম

সংজ্ঞা বা বিশেষ্য পদের পরিবর্তে যে পদ ব্যবহার করা হয়, তাকে सर्वनाम (সর্‌ওয়নাম)—সর্বনাম পদ বলে। সর্বনামের উদাহরণ আগেই দেওয়া হয়েছে। এখানেও কয়েকটি উদাহরণ দেওয়া হলো—मैं, हम, तु, तुम, आप, यह, वह, वे, ये क्या, कौन ইত্যাদি।

হিন্দীতে সর্বনাম ছয় প্রকার। যেমন—पुरुषवाचक (পুরুষওয়াচক), निश्चयवाचक (নিশ্চয়ওয়াচক্), अनिश्चयवाचक (অনিশ্চয়ওয়াচক্), प्रश्नवाचक (প্রশ্নওয়াচক), सम्बन्धवाचक (সম্বন্ধওয়াচক) ও निजवाचक (নিজওয়াচক)।

উপরোক্ত ছয়টি সর্বনামের মধ্যে পুরুষবাচক সর্বনামটিই বেশী ব্যবহৃত হয়। এজন্য এখানে পুরুষবাচক সর্বনামের আলোচনা করা হলো।

पुरुषवाचक सर्वनाम (পুরুষওয়াচক সর্বনাম)—তিন ভাগে বিভক্ত। যেমন—(১) उत्तमपुरुष (উত্তম-পুরুষ) (২) मध्यमपुरुष (মধ্ইয়ম্-পুরুষ) ও (৩) अन्यपुरुष (অন্ইয়-পুরুষ)।

उत्तमपुरुष (উত্তম-পুরুষ)—একবচন

मैं (ম্যাঁয়)—আমি। मेरी (মেরী)—আমার। मुझे (মুঝে)—আমাকে।

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

मैं निर्धारित समय पर नहीं आ सका । (ম্যাঁয় নির্ধারিত সময় পর্ নহীঁ আ সকা।)—আমি ঠিক সময়ে আসতে পারিনি।

मेरी ओर से क्षमा माँग लीजिए । (মেরী ওর্ সে ছমা মাঁগ লিজিএ।)—আমার দিক থেকে ক্ষমা চেয়ে নেবেন।

मुझे बड़ा खेद है । (মুঝে বড়া খেদ হ্যায়।)—আমি অত্যন্ত দুঃখিত।

मैं अभी आ रहा हूं । (ম্যাঁয় অভী আ রহা হুঁ।)—আমি এখনি আসছি।

मध्यमपुरुष (মধ্ইয়ম্-পুরুষ)—একবচন

तुम (তুম্)—তুমি　　तू (তু)—তুই

तुम्हे (তুম্হে)—তোমাকে　　तुझे (তুঝে)—তোকে

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

तुम उसके घर गये थे ? (তুম উস্‌কে ঘর গয়ে থে?)—তুমি ওদের বাড়ি গিয়েছিলে?

तुम हिन्दी पढ़ते हो ? (তুম হিন্দী পঢ়তে হো?)—তুমি হিন্দী পড়ছো?

तु कब गया ? (তু কব্ গয়া?)—তুই কবে গিয়েছিলি।

तुम कहाँ जाते हो ? (তুম্ কহাঁ জাতে হো?)—তুমি কোথায় যাচ্ছ?

अन्यपुरुष (অন্ইয়-পুরুষ)—একবচন

वह (ওয়হ্)—সে।　　यह (ইয়হ্)—এই, ইহা।

कौन (কওন)—কে। কোন্।　　जो (জো)—যে।

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

वह रोज अंग्रेजी पढ़ता है । (ওয়হ্ রোজ অংগ্রেজী পঢ়তা হ্যায়।)—সে প্রতিদিন ইংরাজী পড়ে।

यह मेरा किताब है । (ইয়হ্ মেরা কিতাব্ হ্যায়।)—এটি আমার বই।

कौन आया था ? (কওন্ আয়া থা?)—কে এসেছিল?

उत्तमपुरुष (উত্তম-পুরুষ)

বহুবচন—हम कल गया था । (হম্ কল্ গয়া থা।)—আমরা কাল গিয়েছিলাম।

मध्यमपुरुष (মধ্ইয়ম্-পুরুষ)

বহুবচন—तुमलोग कब गया था ? (তুম্‌লোগ্ কব্ গয়া থা?)—তোমরা কবে গিয়েছিলে?

अन्यपुरुष (অন্ইয়-পুরুষ)

বহুবচন—वे हररोज यहाँ आता हैं । (ওয়ে হর্‌রোজ ইয়হাঁ আতা হ্যাঁয়।)—তারা প্রতিদিন এখানে আসে।

উপরের বাক্যগুলিতে দেখা যায়, পুংলিঙ্গে অ-কারান্ত ক্রিয়ার পরিবর্তন হয় না। কিন্তু স্ত্রীলিঙ্গে উত্তমপুরুষ, মধ্যমপুরুষ ও অন্যপুরুষে ক্রিয়ার পরিবর্তন হয়—যেমন—मैं गयी थी (ম্যাঁয় গয়ী থী)—আমি গিয়াছিলাম। तुम गयी थी (তুম্ গয়ী থী)—তুমি গিয়েছিলে। वह गयी थी (ওয়হ্ গয়ী থী)—সে গিয়াছিল।

क्रिया (ক্রিয়া)—ক্রিয়া Verb

বাংলার মতো হিন্দীতে ক্রিয়াপদ আছে। সে কথা আগেই আলোচনা করা হয়েছে। ক্রিয়া তিনভাগে বিভক্ত অর্থাৎ তিনটি কালে বিভক্ত। যেমন वर्तमान (ওয়র্‌তমান্), अतीत (অতীত), भविष्यत (ভওয়িষ্‌ইয়ত্)।

তাছাড়াও ক্রিয়া দু'টি শ্রেণীতে বিভক্ত। যেমন—सकर्मक (সকর্মক), এবং अकर्मक (অকর্মক)।

१. सकर्मक क्रिया (সকর্মক ক্রিয়া)—যে ক্রিয়ার কর্ম থাকে, তাকে বলা হয় সকর্মক ক্রিয়া। যেমন—

राम किताब पढ़ता है । (রাম কিতাব্ পঢ়তা হ্যায়।)- রাম বই পড়ে।

मीरा तास खेलती है । (মীরা তাস খেলতী হ্যায়।)— মীরা তাস খেলছে।

पिताजी भात खाता हैं । (পিতাজী ভাত খাতা হ্যাঁয়।)—বাবা ভাত খাচ্ছেন।

माँ रोटी खाती हैं । (মাঁ রোটী খাতী হ্যাঁয়।)- -মা রুটি খাচ্ছেন।

मैं काम करता हूँ । (ম্যাঁয় কাম করতা হুঁ।)- -আমি কাজ করছি।

वे काम करते हैं । (ওয়ে কাম করতে হ্যাঁয়।)—তারা কাজ করছে।

উপরের বাক্যগুলিতে—पढ़ता, खेलती, खाता, खाती, करता, करते প্রভৃতি ক্রিয়াগুলির কর্ম হলো—किताब, तास, भात, रोटी, काम প্রভৃতি কর্ম বর্তমান। অতএব এগুলি সকর্মক ক্রিয়া।

जिस क्रिया में कर्म होता है उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं । (জিস্ ক্রিয়া মেঁ কর্ম হোতা হ্যায় উসে সকর্মক ক্রিয়া কহ্তে হ্যাঁয়।)—যে ক্রিয়ার কর্ম আছে তাকে সকর্মক ক্রিয়া বলে।

अकर्मक क्रिया (অকর্মক ক্রিয়া)—जिस क्रिया में कर्म नहीं है उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं । (জিস্ ক্রিয়া মেঁ কর্ম নহীঁ হ্যায় উসে অকর্মক ক্রিয়া কহতে হ্যাঁয়।)—যে ক্রিয়ার কর্ম নাই, তাকে অকর্মক ক্রিয়া বলে। যেমন—

वह खाता है । (ওয়হ্ খাতা হ্যায়।)—সে খায়।

हम करता है । (হম্ করতা হ্যায়।)—আমরা করছি।

উপরের প্রথম বাক্যে বলা হয়েছে—खाता है অর্থাৎ খাচ্ছে, কিন্তু কি খাচ্ছে তা বলা হয় নি। এজন্য বাক্যটি অকর্মক।

আবার দ্বিতীয় বাক্যে বলা হয়েছে करता है (করতা হ্যায়)—করছে, কিন্তু কি করছে, তা বলা হয়নি। এজন্য ক্রিয়াটি অকর্মক।

আবার কর্মের সমাপ্তি বা অসমাপ্তি ভেদে ক্রিয়া দু'ভাগে বিভক্ত। যেমন—
१. समापिका क्रिया (সমাপিকা ক্রিয়া) এবং २. असमापिका क्रिया (অসমাপিকা ক্রিয়া)।

१. समापिका क्रिया (সমাপিকা ক্রিয়া)—যে ক্রিয়ার সাহায্যে কর্মের শেষ বোঝা যায়, তাকে সমাপিকা ক্রিয়া বলে।

হিন্দী ব্যাকরণে বলা হয়েছে—जिस क्रिया से क्रिया की पूर्णता प्रकट होती है, उसे समापिका क्रिया कहते हैं । (জিস্ ক্রিয়া সে ক্রিয়া কী পূর্ণতা প্রকট হোতী হ্যায়, উসে সমাপিকা ক্রিয়া কহতে হ্যাঁয়।) যেমন—

अनिल खाया (অনিল খায়া)—অনিল খেয়েছে।

सुनील गया (সুনীল গয়া)—সুনীল গিয়াছে।

উপরোক্ত বাক্য দু'টিতে 'खाया' এবং 'गया' এই দু'টি ক্রিয়াপদের দ্বারা অনিলের খাওয়া কর্মটি ও সুনীলের খাওয়া কর্মটি সমাপ্ত হয়েছে বোঝা যায়। অতএব ঐ দু'টি বাক্য সমাপিকা। এই রকম যে সব কাজ শেষ হয়েছে বোঝা যায়, তাকে সমাপিকা ক্রিয়া বলে।

२. असमापिका क्रिया (অসমাপিকা ক্রিয়া)—जिस क्रिया से क्रिया की अपूर्णता प्रकट होती है, उसे असमापिका क्रिया कहते हैं । (জিস্ ক্রিয়া সে ক্রিয়া কী অপূর্ণতা প্রকট হোতী হ্যায়, উসে অসমাপিকা ক্রিয়া কহ্তে হ্যাঁয়)—যে ক্রিয়ার দ্বারা কর্মের অপূর্ণতা প্রকাশ পায়, তাকে অসমাপিকা ক্রিয়া বলা হয়। যেমন—

चाय पीकर आओ । (চায় পীকর্ আও।)—চা খেয়ে এসো।

भात खाकर जाओ । (ভাত্ খাকর্ জাও।)—ভাত খেয়ে যাও।

উপরের বাক্য দু'টিতে पीकर (পান করে), खाकर (খাকর)—খেয়ে, ক্রিয়া দু'টির দ্বারা কর্মের সমাপ্তি বুঝাচ্ছে না। সেজন্য এই বাক্য দু'টিকে असमापिका क्रिया (অসমাপিকা ক্রিয়া) বলে।

হিন্দীতে ক্রিয়ার সঙ্গে 'না' যোগ করা হয়। যেমন—जाना (জানা)—যাওয়া, खाना (খানা)—খাওয়া, उठना (উঠ্না)—ওঠা, बैठना (ওয়্যায়ঠনা)—বসা প্রভৃতি।

क्रियाएं (ক্রিয়ায়েঁ)—ক্রিয়াবাচক শব্দসমূহ

बैठना (ব্যায়ঠ্না)—বসা	ऊठना (উঠ্না)—উঠা
खाना (খানা)—খাওয়া	आना (আনা)—আসা
जाना (জানা)—যাওয়া	शुलापा (শুলাপা)—শোয়ানো
उतारना (উতার্না)—নামানো	उड़ना (উড়্না)—উড়া
उठाना (উঠানা)—জাগানো	चबाना (চবানা)—চিবানো

पढ़ना (পঢ়্না)—পড়া
पीटना (পীট্না)—মারা
करना (কর্না)—করা
कमाना (কমানা)—উপার্জন করা
नहाना (নহানা)—স্নান করা
गिनना (গিন্না)—গণনা করা
ढोना (ঢোনা)—বহন করা
गाना (গানা)—গান করা
तोड़ना (তোড়্না)—ভাঙ্গা
तैरना (ত্যায়র্না)—সাঁতার দেওয়া
ढकना (ঢক্না)—ঢাকা দেওয়া
खेलना (খেল্না)—খেলা
डूबना (ডুব্না)—ডোবা
खेलना (খেলনা)— খেলা
टूटना (টুট্না)—ভাঙ্গা
नफरत करना (নফরত্ কর্না)—ঘৃণা করা
घबड़ाना (ঘবড়ানা)—উদ্বিগ্ন হওয়া।
धोना (ধোনা)—ধোওয়া
तौलना (তওল্না)—ওজন করা
ढूँढ़ना (ঢুঁঢ়্না)—খোঁজা
ठहरना (ঠহর্না)—থামা
जलना (জল্না)—জ্বলা
जाँचना (জাঁচ্না)—চাওয়া
पालना (পাল্না)—পোষা
पढ़ना (পঢ়্না)—পড়া
पहनना (পহন্না)—পরা
पकाना (পকানা)—রান্না করা
पीसना (পীসনা)—পেসাই করা
पहचानना (পহচান্না)—চেনা

उठाना (উঠানা)—উঠানো
कहना (কহ্না)—বলা
पीना (পীনা)—পান করা
काँपना (কাঁপ্না)—কাঁপা
घुमना (ঘুম্না)—ঘোরা
जीना (জীনা)—বাঁচা
कुदना (কুদ্না)—লাফানো
जानना (জান্না)—জানা
चाहना (চাহ্না)—চাওয়া
छिपना (ছিপ্না)—লুকানো
खीँचना (খীঁচনা)—টানা
पकड़ना (পকড়্না)—ধরা
दौड़ना (দওড়্না)—দৌড়ানো
निकलना (নিকল্না)—বাহির হওয়া
सैरना (স্যায়রনা)—বেড়ানো
खोना (খোনা)—হারানো
चुराना (চুরানা)—চুরি করা
चलना (চল্না)—যাওয়া
छापना (ছাপ্না)—ছাপা
छोड़ना (ছোড়্না)—ছাড়া
देना (দেনা)—দেওয়া
पहुँचना (পহুঁচ্না)—পৌঁছানো
सीना (সীনা)—সেলাই করা
सोना (সোনা)—শোওয়া
लेटना (লেট্না)—শোওয়া
पुकारना (পুকার্না)—ডাকা
फेंकना (ফেঁক্না)—ছুঁড়ে ফেলা

मानना (মান্না)—শ্রদ্ধা করা
समझाना (সমঝ্না)—বোঝা
बचना (বচ্না)—বাঁচা
बोलना (বোল্না)—বলা
सजाना (সজানা)—সাজানো
लौटना (লওট্না)—ফিরে আসা
लेना (লেনা)—নেওয়া
लूटना (লূট্না)—লুঠ করা
मरना (মর্না)—মরা
लिखना (লিখ্না)—লেখা

सीखना (সীখ্না)—শেখা
सहना (সহ্না)—সহ্য করা
बेचना (বেচ্না)—বিক্রী করা
सकना (সক্না)—পারা
बुलाना (বুলানা)—ডাকা
भागना (ভাগ্না)—পালানো
भूलना (ভূল্না)—ভুল করা
भेजना (ভেজ্না)—পাঠানো
मिलना (মিল্না)—দেখা হওয়া
रहना (রহ্না)—থাকা

पाठ—८ (পাঠ—৮)

क्रिया का काल (ক্রিয়া কা কাল) ক্রিয়ার কাল

क्रिया के जिस रूप से उसके व्यापार के समय का ज्ञान होता है, उसे काल कहते हैं। (ক্রিয়া কে জিস্ রূপ সে উস্‌কে ব্যাপার কে সময় কা জ্ঞান হোতা হ্যায়, উসে কাল কহ্‌তে হ্যাঁয়।)—ক্রিয়ার যে রূপের সাহায্যে ক্রিয়া সময়ের জ্ঞান হয়, তাকে ক্রিয়ার কাল বলা হয়।

বাংলা ভাষার মতো হিন্দীতেও ক্রিয়ার তিনটি কাল। যেমন—১। वर्तमान काल (ওয়র্‌তমান কাল), ২। भूत काल (ভূত কাল)—অতীত কাল (হিন্দীতে অতীত কালকে ভূত কালও বলা হয়।) ৩। भविष्यत काल (ভওয়িষ্যইত কাল)।

१. वर्तमान काल (ওয়র্‌তমান কাল)—वर्तमान काल की क्रिया से इस समय होनेवाले काम का बोध होता है। (ওয়র্‌তমান কাল কী ক্রিয়া সে ইস্ সময় হোনেওয়ালে কাম কা বোধ হোতা হ্যায়।)—বর্তমান কালের ক্রিয়াতে ক্রিয়ার কাজটি এখনও শেষ হয়নি বোঝা যাচ্ছে। তাকে বলা হয় বর্তমান কাল। যেমন—

स्वपन खाता है । (সওপন্ খাতা হ্যায়।)—স্বপন খাচ্ছে।
तपन पढ़ता है । (তপন পঢ়তা হ্যায়।)—তপন পড়ছে।
मीना सैर करती है । (মীনা স্যায়র কর্‌তী হ্যায়।)—মীনা বেড়াচ্ছে।

উপরোক্ত তিনটি বাক্যে যথাক্রমে—खाता है, पढ़ता है, सैर करती है । ক্রিয়াপদগুলির দ্বারা খাচ্ছে, পড়ছে, বেড়াচ্ছে বোঝা যাচ্ছে, কিন্তু খাওয়া, পড়া ও বেড়ানো এখনও চলছে, শেষ হয়নি। সেজন্য এগুলি বর্তমান কাল।

হিন্দীতে বর্তমান কাল তিনভাগে বিভক্ত। যেমন—१. सामान्य वर्तमान, (সামান্ইয় ওয়র্‌তমান্)—সামান্য বর্তমান। २. तात्कालिक या अपूर्ण वर्तमान (তাৎকালিক ইয়া অপূর্‌ড় ওয়র্‌তমান্)—ঘটমান বর্তমান এবং ३. पूर्ण वर्तमान (পূর্‌ড় ওয়র্‌তমান্)—পূর্ণ বর্তমান কাল।

१. सामान्य वर्तमान (সামান্ইয় ওয়র্‌তমান্)—সামান্য বর্তমান কাল—सामान्य वर्तमान काल से व्यापार का आरंभ वर्तमान काल में हुआ है, यह बोध होता है । (সামান্ইয় ওয়র্‌তমান্ কাল সে ব্যাপার কা আরম্ভ ওয়র্‌তমান্ কাল মেঁ হুআ হ্যায়, ইয়হ্ বোধ হোতা হ্যায়।)—সামান্য বর্তমান কালের সাহায্যে কাজটি বর্তমান কালে শুরু হয়েছে এই ধারণা জন্মে। আবার যে বর্তমান কালের ক্রিয়াপদের সাহায্যে বর্তমান কালের সামান্যতা পরিলক্ষিত হয়, তাকে সামান্য বর্তমান কাল বলে।

उदाहरण (উদাহরণ)

मैं खाता हूँ । (ম্যাঁয় খাতা হুঁ।)—আমি খাচ্ছি।
हम खाते हैं । (হম্ খাতে হ্যাঁয়।)—আমরা খাচ্ছি।
तु खाता है । (তু খাতা হ্যায়।)—তুই খাচ্ছিস।
तुम खाता है । (তুম খাতা হ্যায়।)—তুমি খাচ্ছ।
वह खाता है । (ওয়হ্ খাতা হ্যায়।)—সে খাচ্ছে।

উপরের বাক্যগুলি সামান্য বর্তমান কাল। এই বাক্যগুলিতে ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে পুংলিঙ্গে 'তা', বহুবচনে 'তে' এবং 'হ্যায়' প্রত্যয় একবচনে ও 'হ্যাঁয়' বহুবচনে যুক্ত হয়েছে।

স্ত্রীলিঙ্গে ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে 'তী' যুক্ত হয়, তার কিন্তু একই প্রকার থাকে। যেমন—

मैं खाती हूँ । (ম্যাঁয় খাতী হুঁ।)—আমি খাচ্ছি।
हम खाती हैं । (হম্ খাতী হ্যাঁয়।)—আমরা খাচ্ছি।
तु खाती है । (তু খাতী হ্যায়।)—তুই খাচ্ছিস।
तुम खाती हो । (তুম্ খাতী হো।)—তুমি খাচ্ছ।
वह खाती है । (ওয়হ্ খাতী হ্যায়।)—সে খাচ্ছে।
वे खाती हैं । (ওয়ে খাতী হ্যাঁয়।)—তারা (তাহারা) খাচ্ছে।

উপরের বাক্যগুলি লক্ষ্য করলেই দেখা যাবে, ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে 'তী' এবং 'হুঁ', 'হ্যায়' ও 'হ্যাঁয়' যুক্ত হয়েছে।

२. तात्कालिक वर्तमान काल (তাৎকালিক ওয়র্‌তমান্ কাল)

ঘটমান বর্তমান কাল

क्रिया के जिस रूप से उसका वर्तमान काल में जारी रहना प्रकट हो, उसे तात्कालिक वर्तमान काल कहते हैं । (ক্রিয়া কে জিস্ রূপ সে উস্‌কা ওয়র্‌তমান্ কাল মেঁ জারী রহ্‌না প্রকট হো, উসে তাৎকালিক ওয়র্‌তমান কাল কহতে হ্যাঁয়।)—ক্রিয়ার যে রূপের দ্বারা বর্তমান কালে যখন কোনও কাজ চলছে বা শেষ হচ্ছে বোঝায়, তাকে তাৎকালিক বর্তমান বলে। যেমন—

मैं जा रहा हूँ । (ম্যাঁয় জা রহা হুঁ।)—আমি চলিতেছি।
कमल जा रहा है । (কমল্ জা রহা হ্যায়।)—কমল যাচ্ছে।
तुम जा रहे हो । (তুম্ জা রহে হো।)—তুমি যাচ্ছ।
हम जा रहे हैं । (হম্ জা রহে হ্যাঁয়।)—আমরা যাচ্ছি।
वह जा रहा है । (ওয়হ্ জা রহা হ্যায়।)—সে যাচ্ছে।
वे जा रहे हैं । (ওয়ে জা রহে হ্যাঁয়।)—তারা (তাহারা) যাচ্ছে।
तु जा रहा है । (তু জা রহা হ্যায়।)—তুই যাচ্ছিস।

উপরের বাক্যগুলিতে দেখা যাচ্ছে, চলা ক্রিয়াটি আরম্ভ হয়েছে বটে, কিন্তু এখনও শেষ হয়নি। কাজটি চলছে। এই রকম ক্রিয়াকে ঘটমান বর্তমান বা তাৎকালিক বর্তমান (তাৎকালিক ওয়র্‌তমান্) বলা হয়।

তাৎকালিক বর্তমানে ক্রিয়ার সঙ্গে পুংলিঙ্গ একবচনে 'रहा' (রহা) পুংলিঙ্গ বহুবচনে 'रहे' (রহে) যুক্ত হয় এবং স্ত্রীলিঙ্গ উভয় বচনেই 'रही' (রহী) যুক্ত

হয়। সাহায্যকারী ক্রিয়া বচন অনুসারে ব্যবহৃত হয়। যেমন—

একবচনে—हूँ (হুঁ), है (হ্যায়), हो (হো) ব্যবহৃত হয়।

বহুবচনে—हैं (হ্যাঁয়) ব্যবহৃত হয়।

३. पूर्ण वर्तमान काल (পূর্‌ড়ঁ ওয়রত্‌মান কাল)

পূর্ণ বর্তমান কাল

কোনও কাজ পূর্বে আরম্ভ হয়েছে এবং সবেমাত্র শেষ হয়েছে, তখনো তার রেশ চলছে, ক্রিয়ার এই কালকে পূর্ণ বর্তমান কাল বলে। যেমন—

मैं खाता हूँ । (ম্যাঁয় খাতা হুঁ।)—আমি খাচ্ছি।

हम खाते हैं । (হম্‌ খাতে হ্যাঁয়।)—আমরা খাচ্ছি।

वह खाता है । (ওয়হ্‌ খাতা হ্যায়।)—সে খাচ্ছে।

वे खाते हैं । (ওয়ে খাতে হ্যাঁয়।)—তারা (তাহারা) খাচ্ছে।

तु खाता है । (তু খাতা হ্যায়।)—তুই খাচ্ছিস।

উপরের বাক্যগুলি দ্বারা বোঝা যায় খাওয়া কাজটি সবেমাত্র শেষ হয়েছে বটে, তার রেশ এখনও চলছে। এজন্য একে পূর্ণ বর্তমান কাল বলে।

भुत काल (ভূত কাল)— অতীত কাল

भूत काल की क्रिया से बीते हुए समय का बोध होता है । (ভূত কাল কী ক্রিয়া সে বীতে-হুএ সময় কা বোধ হোতা হ্যায়।)— ভূত কালের ক্রিয়ার দ্বারা কাজটি শেষ হয়েছে বোঝায়। অর্থাৎ যে ক্রিয়া আগেই শেষ হয়ে গেছে বোঝায়, তাকে ক্রিয়ার ভূত কাল বলে। যেমন–

राम कल चला गया । (রাম কল্‌ চলা গয়া।)—রাম কাল চলে গেছে।

भारत स्वाधीन हो गया । (ভারত্‌ সওয়াধীন্‌ হো গয়া।)—ভারত স্বাধীন হয়ে গেছে।

এখানে প্রথম বাক্যে রামের যাওয়া কাজটি কালই শেষ হয়েছে বোঝা যাচ্ছে। দ্বিতীয় বাক্যে ভারত আগেই স্বাধীন হয়ে গেছে বোঝাচ্ছে। অতএব বাক্যগুলি ভূত কাল বা অতীত কাল।

हिन्दी में भूत काल को छः वर्ग में बांटा हुआ । (হিন্দী মেঁ ভূত কাল কো ছহ্‌ ওয়র্‌গ মেঁ বাঁটা হুআ।)—হিন্দীতে ভূত কালকে ছয়টি শ্রেণীতে ভাগ করা হয়েছে। যেমন— १. सामान्य भूत काल (সামান্য ভূত কাল)—সামান্য অতীত কাল। २. आसन्न भूत काल (আসন্ন ভূত

কাল)—আসন্ন অতীত কাল। ३. पूर्ण भूत काल (পূরড়ঁ ভূত কাল)—পূর্ণ অতীত। ४. सन्दिग्ध भूत काल (সন্দিগ্ধ ভূত কাল)—সন্দিগ্ধ অতীত কাল। ५. तात्कालिक भूत काल (তাৎকালিক ভূত কাল)—ঘটমান অতীত কাল। हेतु हेतुमद भूत काल (হেতু হেতুমদ ভূত কাল)—শর্তসাপেক্ষ অতীত কাল।

सामान्य भूत काल (সামান্ইয় ভূত কাল)— যে ক্রিয়ার দ্বারা কর্তার যাবার ধারণা জন্মে, তাকে সামান্য ভূত কাল বলে। যেমন—

वह चला (ওয়হ্‌ চলা)—সে চলল। हम चले (হম্‌ চলে)—আমরা যাই।

तुम चले (তুম চলে)—তুমি চললে। मैं जाता (ম্যাঁয় জাতা)—আমি যাই।

वे चले (ওয়ে চলে)—তারা চলল।

সামান্য ভূতকালে ক্রিয়ার ধাতুর সঙ্গে 'আ' যুক্ত করতে হয়। অর্থাৎ ক্রিয়ার ধাতুর সঙ্গে পুংলিঙ্গে 'আ' যুক্ত করলে এবং স্ত্রীলিঙ্গে 'ঈ' যুক্ত করলে, সামান্য ভূত কাল হয়। যেমন—

পুংলিঙ্গ	স্ত্রীলিঙ্গ
बोल+आ = बोला (বলল)	बोल+ई = बोली (বলল)
चल+आ = चला (চলল)	चल+ई = चली (চলল)
देख+आ = देखा (দেখল)	देख+ई = देखी (দেখল)

উপরোক্ত अ-कारान्त (অ-কারান্তে) ধাতুর সঙ্গে এইভাবে পুংলিঙ্গে—'आ' এবং স্ত্রীলিঙ্গে 'ई' যুক্ত করে সামান্য ভূত কালের ক্রিয়ায় পরিণত করা হয়।

কিন্তু যে সব ধাতুর সঙ্গে 'আ-কার' যুক্ত থাকে, অর্থাৎ আ-কারান্ত (আ-কারান্ত) ধাতুর সঙ্গে 'यी' বা 'ई' যুক্ত করে সামান্য ভূত কালে রূপান্তরিত করা হয়।

आसन्न भूत काल (আসন্ন ভূত কাল)

क्रिया के जिस रूपसे उस के पूरा होने का समय निकट में ही समझा जाता है, उसे आसन्न भूत काल कहते हैं । (ক্রিয়াকে জিস্‌ রূপসে উস্‌কে পূরা হোনে কা সময় নিকট মেঁ হী সমঝা জাতা হ্যায়, উসে আসন্ন ভূত কাল কহতে হ্যাঁয়।)—ক্রিয়ার যে রূপের দ্বারা কার্য্য সম্পন্ন হবার সময় খুব নিকটবর্তী জানা যায় বা বোঝা যায়, তাকেই আসন্ন ভূত কাল বলে। যেমন—

मैं खा चुका हूँ । (ম্যাঁয় খা চুকা হুঁ।)—আমি খেয়েছি।

हम खा चुका हैं । (হম্ খা চুকা হ্যাঁয়।)—আমরা খেয়েছি।

উপরোক্ত বাক্য দু'টির দ্বারা বোঝা যায় 'খাওয়া' ক্রিয়াটি চলছে বা শুরু হতে চলেছে। এজন্য এগুলি আসন্ন ভূত কাল।

पूर्ण भूत काल (পূর্ণ ভূত কাল)

এই ক্রিয়ার বাক্যগুলি অতীত কালের মতো শোনালোও প্রকৃতপক্ষে এই সব বাক্য পূর্ণ ভূত কালের। যেমন—

मैं खाया था । (ম্যাঁয় খায়া থা।)—আমি খেয়েছিলাম।

हम खाये थे । (হম্ খায়ে থে।)—আমরা খেয়েছিলাম।

तु खाया था । (তু খায়া থা।)—তুই খেয়েছিস।

উপরোক্ত বাক্যগুলিতে 'খাওয়া' ক্রিয়াটি শেষ হয়েছে বোঝা যাচ্ছে। অর্থাৎ এখানে ক্রিয়া কার্য সম্পূর্ণ হয়েছে জানা যাচ্ছে। এজন্য এগুলি পূর্ণ ভূত কাল।

सन्दिग्ध भूत काल (সন্দিগ্ধ ভূত কাল)

जिस भूत काल की क्रिया के होने में, सन्देह हो उसे सन्दिग्ध भूत काल कहते हैं । (জিস ভূতকাল কী ক্রিয়াকে হোনে মেঁ সন্দেহ্ হো, উসে সন্দিগ্ধ ভূত কাল কহ্তে হ্যাঁয়।)—যে সকল ভূত কালের ক্রিয়ায় সন্দেহ হয়, তাকে সন্দিগ্ধ ভূত কাল বলে। যেমন—

मैंने देखा होगा । (ম্যাঁয়নে দেখা হোগা।)—আমি হয়তো দেখেছিলাম।

हमने देखे होंगे । (হম্নে দেখে হোঙ্গে।)—আমরা হয়তো দেখেছিলাম।

উপরোক্ত বাক্য দু'টিতে দেখা ক্রিয়াটিতে সন্দেহ আছে। এজন্য একে বলা হয় সন্দিগ্ধ ভূত কাল।

সন্দিগ্ধ ভূত কালে পুংলিঙ্গ একবচনে ক্রিয়ার সঙ্গে होगा' প্রত্যয় যুক্ত হয় এবং পুংলিঙ্গ বহুবচনে—होंगे' যুক্ত হয়। স্ত্রীলিঙ্গ উভয় বচনে ক্রিয়ার সঙ্গে ई' যুক্ত হয় ও প্রত্যয়ের সঙ্গে होगी (হোগী) होंगी (হোঙ্গী) যুক্ত হয়। যেমন—

मैंने देखी होगी । (ম্যাঁয়নে দেখী হোগী।)—আমি হয়তো দেখেছিলাম।

हमने देखी होंगी । (হম্নে দেখী হোঙ্গী।)—আমরা হয়তো দেখেছিলাম।

तात्कालिक भूत काल (তাৎকালিক ভূত কাল)

जिस क्रिया से यह समझ में आता है कि भूत काल के क्रिया

चल रहा है, उसे तात्कालिक भुत काल कहते हैं । (জিস্ ক্রিয়া সে ইয়হ্ সমঝ মেঁ আতা হ্যায় কি ভূত কাল কে ক্রিয়া চল্ রহা হ্যায়, উসে তাৎকালিক ভূত কাল কহ্তে হ্যাঁয়।)—যে ক্রিয়ার দ্বারা এই বোঝা যায় যে, ভূত কালের ক্রিয়া চলছে, তাকে তাৎকালিক ভূত কাল বলে। যেমন—

मैं खा रहा था । (ম্যাঁয় খা রহা থা।)—আমি খাচ্ছিলাম।

हम खा रहे थे । (হম্ খা রহে থে।)—আমরা খাচ্ছিলাম।

উপরোক্ত বাক্য দু'টিতে 'খাওয়া' ক্রিয়াটি চলছে বোঝা যাচ্ছে, এজন্য একে তাৎকালিক ভূত কাল বলা হয়।

তাৎকালিক ভূত কালে ক্রিয়ার সঙ্গে পুংলিঙ্গ একবচনে था' (থা) ও বহুবচনে थे' (থে) যুক্ত করে এবং সাহায্যকারী ক্রিয়ার সঙ্গে रहा' (রহা) 'रहे', (রহে) যুক্ত করতে হয়।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে সাহায্যকারী ক্রিয়ার সঙ্গে ई' (ঈ) ও थी' (থী), ও বহুবচনে সাহায্যকারী ক্রিয়ার সঙ্গে ई' (ঈ) ও थीं (থীঁ) যুক্ত করে তাৎকালিক ভূত কাল করা হয়। যেমন—

मैं खा रही थी । (ম্যাঁয় খা রহী থী।)—আমি খাচ্ছিলাম।

हम खा रही थीं । (হম্ খা রহী থীঁ।)—আমরা খাচ্ছিলাম।

हेतु हेतुमद भूत काल (হেতু হেতুমদ ভূত কাল)

जिस भूत काल में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया अवलम्बित हो, उसे हेतु हेतुमद भूत काल कहते हैं । (জিস্ ভূত কাল মেঁ এক ক্রিয়া কা হোনা দূসরী ক্রিয়া অবলম্বিত হো, উসে হেতু হেতুমদ ভূত কাল কহ্তে হ্যাঁয়।)—যে সমস্ত ভূত কালের ক্রিয়া সম্পন্ন হবার জন্য অপর ক্রিয়ার উপর নির্ভর করে, তাকে হেতু হেতুমদ ভূত কাল বলে। যেমন—

यदि मैं खेलता । (ইয়দি ম্যাঁয় খেল্তা।)—যদি আমি খেলতাম।

यदि हम खेलते । (ইয়দি হম্ খেল্তে।)—যদি আমরা খেলতাম।

স্ত্রীলিঙ্গে এই ক্রিয়ার রূপ হয় নিম্নরূপ—

यदि मैं खेलती । (ইয়দি ম্যাঁয় খেল্তী।)—যদি আমি খেলতাম।

यदि हम खेलती । (ইয়দি হম্ খেল্তী।)—যদি আমরা খেলতাম।

উপরোক্ত বাক্যগুলিতে ক্রিয়া সম্পূর্ণ হয় নাই অন্য কোনও ক্রিয়ার অপেক্ষায় আছে। সেজন্য একে হেতু হেতুমদ ভূত কাল বলে। বাক্যগুলি লক্ষ্য করলে দেখা যাবে এই ক্রিয়ার পুংলিঙ্গ একবচনে ক্রিয়ার সঙ্গে 'आ' (আ) এবং বহুবচনে 'ए' (এ) যুক্ত হয়েছে। আবার স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে 'ती' (তী) ও বহুবচনে 'ती' (তী)—যুক্ত হয়েছে।

सामान्य भूत काल (সামান্য ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—मैं, तु, तुम वह, आप, उसने एक सेब खाया। (ম্যাঁয়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উস্‌নে এক সেব খায়া।)—আমি, তুই, তুমি, সে আপনি, সে একটি আপেল খেয়েছি বা খেয়েছে।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे, बहुत, सेबों खाये (হম্‌ তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে, বহুত সেবোঁ খায়ে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক আপেল খেয়েছি বা খেয়েছে।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैं तु, तुम, वह, आप, उसने एक सेब खायी। (ম্যাঁয়, তু, তুম্‌, ওয়হ, আপ, উস্‌নে এক সেব খায়ী।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি আপেল খেয়েছে বা খেয়েছি।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत सेबों खाया है। (হম্‌, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত সেবোঁ খায়া হ্যায়।)— আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক আপেল খেয়েছে বা খেয়েছি।

आसन्न भूत काल (আসন্ন ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—मैं, तु, तुम वह, आप, उसने एक खाया है। (ম্যঁয়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উস্‌নে এক ফল খায়া হ্যায়।)—আমি, তুই, তুমি, সে আপনি, সে একটি ফল খেয়েছে।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग. आपलोग, वे बहुत फलों खाये है। (হম্‌, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে, বহুত ফলোঁ খায়ে হ্যায়।) —আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছে বা খেয়েছি।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैं तु, तुम, वह, आप, उसने एक फल खायी है। (ম্যাঁয়, তু, তুম্‌, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়ী হ্যায়।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছে বা খেয়েছি।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाया है। (হম্‌, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়া হ্যায়।)-- আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছে বা খেয়েছি।

पूर्ण भुत काल (পূর্ণ ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—मैं, तु, तुम, वह, आप, उसने एक फल खाया था। (ম্যাঁয়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উস্‌নে এক ফল খায়া থা।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছিল বা খেয়েছি।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खाये थे। (হম্‌, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে, বহুত ফলোঁ খায়ে থে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছিলাম বা খেয়েছিল।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैं, तु, तुम वह, आप, उसने एक फल खायी थी। (ম্যাঁয়, তু, তুম্‌, ওয়হ, আপ, উস্‌নে এক ফল খায়ী থী।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছিলাম।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खायी थीं। (হম্‌, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ী থীঁ।)— আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছি বা খেয়েছিলাম।

सन्दिग्ध भूत काल (সন্দিগ্ধ ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচন—मैंने, तुने, तुमने, वह, आप, उसने एक फल खाया होगा। (ম্যাঁয়নে, তুনে, তুমনে, ওয়হ, আপ, উস্‌নে এক ফল খায়া হোগা।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, তিনি একটি ফল হয়তো খেয়েছি বা খেয়েছিল।

পুংলিঙ্গ বহুবচন—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खाये होंगे। (হম্‌, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ে হোঙ্গে।) —আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল হয়তো খেয়েছিল বা খেয়েছিলাম।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচন- मैंने, तुने, तुमने, वह, आप, उसने एक फल

খায়ী হোগী। (ম্যাঁয়নে, তূনে, তুম্‌নে, ওয়হ্, আপ, উস্‌নে এক ফল খায়ী হোগী।) —আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, তিনি একটি ফল হয়তো খেয়েছি বা খেয়েছিলাম।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচন—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खायी होगी। (হম্, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ী হোগী।) —আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল হয়তো খেয়েছি বা খেয়েছিলাম।

सम्भाव्य भूत काल (সম্ভাব্য ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচন—मैं, तु, तुमने, वह, आप, उसने एक फल खाया हो। (ম্যাঁয়, তু, তুম্‌নে, ওয়হ্, আপ, উস্‌নে এক ফল খায়া হো।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছ।

পুংলিঙ্গ বহুবচন—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खाये हो। (হম্, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ে হো।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছি বা খেয়েছ।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচন—मैं, तु, तुमने, वह, आप, उसने एक फल खायी हो। (ম্যাঁয়, তু, তুম্‌নে, ওয়হ্, আপ, উস্‌নে এক ফল খায়ী হো।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছ।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচন—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खायी हो। (হম্, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ী হো।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছি বা খেয়েছ।

सम्भाव्य पूर्ण भूत काल (সম্ভাব্য পূর্ণ ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচন—मैं, तु, तुम, आप, उसने एक फल खाया होगा। (ম্যাঁয়, তু, তুম্, আপ, উস্‌নে ফল খায়া হোগা।)—আমি, তুই, তুমি, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছ।

পুংলিঙ্গ বহুবচন—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खाया होगा। (হম্, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়া হোগা।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছি বা খেয়েছে।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচন—मैं, तु, तुम, आप, उसने एक फल खायी

होगी। (ম্যাঁয়, তু, তুম্, আপ, উস্‌নে ফল খায়ী হোগী।)—আমি, তুই, তুমি, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছে।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচন—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खायी होगी। (হম্, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ী হোগী।)—আমরা তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছি বা খেয়েছে।

सम्भाव्य भविष्यत (সম্ভাব্য ভওয়িষ্যত)

मैं चलुँ। (ম্যায় চলুঁ।)—আমি চলবো। हम चले। (হম্ চলে।)—আমরা চলবো।

तुम चलो। (তুম্ চলো?)—তুমি কি চলবে?

वह चला। (ওয়হ্ চলা?)—সে কি চলবে? तु चल। (তু চল্?)—তুই কি চলবি?

पाठ—९ (পাঠ—৯)

क्रिया विशेषण (ক্রিয়া ওয়িশেষণ)—ক্রিয়া বিশেষণ

जो पद क्रिया की विशेषता बताता है, उसे क्रिया विशेषण कहते हैं। (জো পদ ক্রিয়া কী ওয়িশেষতা বতাতা হ্যায়, উসে ক্রিয়া ওয়িশেষণ কহ্‌তে হ্যাঁয়।)— যে অব্যয় বা পদ ক্রিয়ার বিশেষতা জ্ঞাপন করে, তাকে ক্রিয়া বিশেষণ বলে।

श्याम जल्दी आता है। (শ্যাম জলদী আতা হ্যায়।)—শ্যাম তাড়াতাড়ি আসে।

सीता हमेशा आती है। (সীতা হমেশা আতী হ্যায়।)—সীতা প্রায়ই আসে।

উপরের বাক্য দুটিতে 'जलदी' (জলদী) এবং 'हमेशा' (হমেশা) শব্দ দুটির দ্বারা आता है (আতা হ্যায়) ও आती है (আতী হ্যায়) ক্রিয়া দুটির বিশেষতা প্রকাশ পাচ্ছে। অর্থাৎ শ্যাম কেমন ভাবে আসে—जल्दी (জলদী) তাড়াতাড়ি; আবার সীতা কেমন ভাবে আসে: 'हमेशा' (হমেশা)—প্রায়ই। এজন্য একে ক্রিয়ার বিশেষণ বলা হয়।

अव्यय (অব্যয়)—অব্যয়

जिस शब्द में विकार नहीं होता, उसे अव्यय कहते हैं। (জিস্